A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 31 मई, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 263 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

रूस-चीन की बढ़ती नजदीकियां : सजग रहे भारत

जन. मनोज नरवणे (रि)

वैश्विक भू-राजनीति के मामले में हर एक कूटनीतिक कदम अपनी अहमियत रखता है, खासकर जब उसमें प्रमुख देशों के नेता भी शामिल हों। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हाल की चीन यात्रा से खलबली मची है, उसको लेकर कई अटकलें लगाई जा रही हैं, खासकर इस दृष्टि से कि भारत के लिए इसके क्या नतीजे निकल सकते हैं। दुनिया की दो सबसे प्रभावशाली शक्तियां, रूस और चीन जबकि करीब आ रही हैं, जाहिर है उसके नतीजे उनके तात्कालिक द्विपक्षीय रिश्ते से आगे बढ़कर निकल सकते हैं। पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हाल के दिनों में ऑनलाइन संपर्कों के अलावा कई बार प्रत्यक्ष रूप से शामिल होकर शिखर बैठकें भी की हैं।

इन दोनों राष्ट्राध्यक्षों की बैठक के बाद ही रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन के खिलाफ स्पेशल सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। इस बैठक में दोनों देशों ने 'असीम साझीदारी' की घोषणा की थी. इस भू-राजनीतिक मोड़ के बीच में स्थित भारत के लिए इस साझीदारी के परिणाम बहुआयामी हो सकते हैं और इनका सावधानी से विश्लेषण करने की जरूरत है। पुतिन ने चीन की जो यात्रा की और यूक्रेन के खारकीव क्षेत्र पर रूस ने जो ताजा हमला किया उसकी पृष्ठभूमि को अगर समझें तो इसके कारण भारत पर होने वाले प्रभावों का अंदाजा लगाने में मदद मिलेगी। रूस-चीन संबंधों में हाल में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

शीतयुद्ध के दौर में इन दोनों के संबंध संदेह और प्रतियोगिता से भरे थे, जो 21वीं सदी में रणनीतिक साझीदारी में बदले। अब इन दोनों ने जो 'असीम साझीदारी' की घोषणा की है उसके कई कारण हैं, जिनमें अमेरिकी वर्चस्व को लेकर साझा चिंता, आर्थिक हितों की चिंता, और कुछ अंतरराष्ट्रीय मसलों पर नजरिए में समानता शामिल हैं।

रूस और चीन के बीच सहयोग का एक प्रमुख घोषित क्षेत्र है- ऊर्जा। दोनों देशों ने महत्वपूर्ण ऊर्जा समझौते किए हैं, जिनमें पाइपलाइनों के निर्माण और प्राकृतिक गैस की बिक्री के समझौते शामिल हैं। इनके कारण उनके आर्थिक संबंध भी मजबूत हुए हैं। चीन की यात्रा के दौरान पुतिन ने ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए 'पावर ऑफ साइबेरिया-2' गैस पाइपलाइन को चालू करने पर वार्ता की। इससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी प्रभावित होगी। रूस जबकि चीन के साथ अपनी ऊर्जा साझीदारी को मजबूत कर रहा है, भारत को किसी एक ही सप्लायर पर निर्भरता को कम करने के लिए ऊर्जा के कई स्रोत ढूंढने की जरूरत पड़ सकती है।

पुतिन की यात्रा से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन भी प्रभावित हो सकता है। इस क्षेत्र में भारत और चीन के हितों का टकराव है और दोनों की भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं भी टकराती हैं। मॉस्को और बीजिंग में बढ़ती नज़दीकियां चीन को इस क्षेत्र में अपनी दावेदारी पर अमल करने और हिमालय क्षेत्र में भारत के साथ भूमि विवाद में कार्रवाई करने की हिम्मत बढ़ा सकती हैं। ऐसे संघर्षों में रूस का गुप्त समर्थन या उसकी तटस्थता भारत के रणनीतिक समीकरणों को जटिल बना सकती है और उसे अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं को बदलना पड़ सकता है। 'असीम साझीदारी', और इस धारणा के कारण कि चीन रूस की युद्ध संबंधी कार्रवाइयों का स्पष्ट समर्थन कर रहा है, भारत युद्ध की स्थिति में चीन पर अंकुश लगाने की रूस से अपेक्षा नहीं कर सकता है।

एक और विचारणीय पहलू यह है कि रूस-चीन सहयोग अमेरिका के साथ भारत के संबंधों को किस तरह प्रभावित करेगा। भारत ने रूस के साथ अपनी पारंपरिक साझीदारी और अमेरिका के साथ मजबूत होते अपने रणनीतिक रिश्ते के बीच नाजुक संतुलन बनाए रखने कोशिश की है। रूस-चीन की बढ़ती नज़दीकियां भारत को अमेरिकी खेमे में और अंदर धकेल सकती हैं। वैसे, भारत चीन-रूस साझीदारी के कारण बढ़ते दबाव को संतुलित करने की ही कोशिश करेगा।

यह भारत और अमेरिका के रक्षा संबंधी सहयोग में वृद्धि और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मसलों पर बढ़ती करीबी के रूप में सामने आ सकता है। लेकिन भारत की विदेश नीति का जो सबसे महत्वपूर्ण आधार है, रणनीतिक स्वायत्तता, उसकी कड़ी परीक्षा लेगा रूस-चीन का गहराता संबंध। इसके अलावा, पुतिन की चीन यात्रा अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के गतिशास्त्र में आ रहे बदलाव को भी रेखांकित करती है। शक्ति पश्चिमी देशों के हाथ से धीरे-धीरे पूरब की उभरती अर्थव्यवस्थाओं की ओर खिसक रही है। रूस-चीन की साझीदारी जबकि मजबूत हो रही है, वे पश्चिमी संस्थानों तथा मानदंडों के वर्चस्व वाली मौजूदा वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दे सकते हैं।

यह उभरती बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था को आकार देने में भारत को ज्यादा जोरदार भूमिका निभाने के मौके दे सकता है। इसकी वजह यह है कि वह अपनी रणनीतिक स्थिति और बढ़ती आर्थिक ताकत का लाभ उठा सकता है। भारत अपनी सक्रियता बढ़ाने की जो कोशिश कर रहा है और 'ग्लोबल साउथ'- जिसे जी-20 के दौरान काफी समर्थन मिला- की आवाज़ बनकर उभरने की जो कोशिश कर रहा है वह सब सही दिशा में उठाया गया कदम है।

अपने हितों की रक्षा के लिए भारत को काफी संभलकर कदम बढ़ाने की जरूरत है। उसे समझना चाहिए कि रूस-चीन नज़दीकियां भारत को दोनों देशों के साथ आपसी हितों- जैसे आतंकवाद विरोध, क्षेत्रीय स्थिरता, और आर्थिक विकास- के मसलों पर ज्यादा कार्रवाई करने के मौके प्रदान करती हैं। रूस-भारत के दशकों पुराने रिश्ते को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता, खासकर सैन्य सहयोग के रिश्ते को। दशकों से, भारत ने तमाम तरह के रूसी हथियार हासिल किए हैं, मसलन सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान, टी-90 टैंक, और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल आदि।

एस-400 मिसाइल सिस्टम की बात ही क्या करें, जिसका करार अमेरिका के भारी विरोध और उसके 'सीएएटीएसए' जैसे प्रतिबंधात्मक कानून के साये में किया गया। इसके अलावा, रूस भारत को अहम रक्षा टेक्नॉलाजी भी देने को तैयार है ताकि खास वेपन सिस्टम का भारत में ही उत्पादन हो सके और उपयोग लायक बनाया जा सके। रूस-चीन नजदीकी, और मॉस्को तथा वाशिंगटन के बीच संतुलन साधने की भारतीय कोशिशें उसी बात को दोहराती हैं जो 19वीं सदी में ब्रिटिश प्रधानमंत्री लॉर्ड पामर्स्टन ने एक बार कहा था- 'स्थायी शत्रु कोई नहीं होता, और न कोई स्थायी दोस्त होता है, स्थायी कुछ है तो वे हैं अपने हित।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

पीएम मोदी का दावा-गांधी फिल्म से मशहूर हुए महात्मा

राहुल का जवाब-बापू को 'शाखा शिक्षित' के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने 28 मई को एक चैनल को दिए इंटरव्यू में यह दावा किया कि महात्मा गांधी के बारे में दुनिया पहले कुछ नहीं जानती थी। रिचर्ड एटनबरो की 1982 की फिल्म गांधी बनने के बाद महात्मा गांधी को पहचान मिली। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि जो लोग नाथूराम गोडसे के हिंसा के रास्ते पर चलते हैं, वे गांधी को नहीं समझ सकते। महात्मा गांधी को किसी 'शाखा शिक्षित' के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। पीएम मोदी के महात्मा गांधी की पहचान पर किए दावे के बाद राहुल गांधी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है। राहुल, गांधी की एक मूर्ति के पास खड़े हैं और कह रहे हैं कि जो लोग नाथूराम गोडसे के

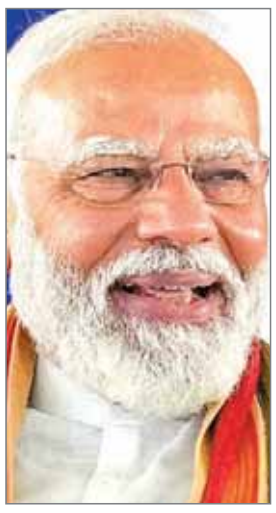

हिंसा के रास्ते पर चलते हैं, वे गांधी को नहीं समझ सकते। राहुल ने वीडियो के साथ लिखा- सत्य और अहिंसा के रूप में बापू ने दुनिया को ऐसा मार्ग दिखाया, जो कमजोर से कमजोर व्यक्ति को भी अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस देता है। उन्हें किसी 'शाखा शिक्षित' के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। वीडियो में राहुल कह रहे हैं, शाखाओं में जिनकी वर्ल्ड व्यू बनती है, वो गांधी जी को नहीं समझ सकते हैं। ऐसे लोग गोडसे को समझते हैं। गोडसे के रास्ते को अपनाते हैं। गांधी जी पूरी दुनिया के लिए एक प्रेरणा थे। मार्टिन लूथर किंग जूनियर, नेल्सन मंडेला, अल्बर्ट आइंस्टीन ये सब लोग महात्मा गांधी से प्रेरित होते हैं। हिंदुस्तान में करोड़ों लोग महात्मा गांधी का रास्ता अपनाकर सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलते हैं। यह लड़ाई सत्य और असत्य पर है, हिंसा और अहिंसा पर है, हिंसा करने वाले लोग सत्य को नहीं समझ सकते हैं। पीएम मोदी ने न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू के दौरान दावा किया था- महात्मा गांधी दुनिया की एक महान आत्मा थे। पिछले 75 साल में क्या महात्मा गांधी के बारे में दुनिया को बताना हमारी जिम्मेदारी नहीं थी। कोई भी उनके बारे में नहीं जानता था।

'मौत' की खाई में गिरी बस

21 लोगों की गई जान

- जम्मू में बड़ा हादसा, 40 लोग घायल, 20 को जीएमसी किया रेफर

यूपी के 90 तीर्थयात्री थे सवार, हाथरस से शिव खोरी जा रहे थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-पूंछ राष्ट्रीय राजमार्ग (144ए) पर अखनूर के टूंगी मोड़ क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां एक यात्रियों से भरी बस गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में अब तक 21 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब 40 यात्री घायल बताए जा रहे हैं। इनमें 20 को जीएमसी जम्मू रेफर किया गया है। पुलिस व स्थानीय लोगों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। खाई से निकाल कर घायलों को अखनूर उपजिला अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां से गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जम्मू मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उत्तरप्रदेश नंबर की यह बस जम्मू से शिवखोड़ी धाम जा रही था। शिवखोड़ी धाम रियासी जिले के पौनी में स्थित है, जो कि कटड़ा सिथ्त माता वैष्णो देवी मंदिर से मात्र 80 किलोमीटर की दूरी पर है। यह भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। जानकारी के अनुसार, बस का नंबर है- यूपी 86ईसी 4078 बताया गया है। यह बस अखनूर के टूंगी मोड़ में गहरी खाई में जा गिरी। इस तीखे मोड़ पर सामने से आ रही एक बस के आने से हादसे वाली बस चालक का संतुलन बिगड़ा गया।

जयराम रमेश बोले-

48 घंटे में तय होगा इंडिया का प्रधानमंत्री

- गठबंधन की जो पार्टी सबसे ज्यादा सीटें जीतेगी, वही सरकार बनाने की दावेदार होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में जीत के बाद इंडिया ब्लॉक 48 घंटे के अंदर प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार तय कर देगा। रमेश ने यह भी कहा कि गठबंधन में जिस पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें मिलेंगी, वही सरकार बनाने का स्वाभाविक दावेदार होगी। 7वें फेज की वोटिंग से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि इंडी गठबंधन लोकसभा में बहुमत के लिए जरूरी 272 के आंकड़े से कही ज्यादा सीटें हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि कि इंडी ब्लॉक की सरकार बनती है तो एनडीए की सहयोगी पार्टियां भी गठबंधन में शामिल हो सकती हैं, हालांकि उन्हें शामिल करेंगे या नहीं, इसका फैसला कांग्रेस हाईकमान लेंगे। नीतिश कुमार और टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू जैसे एनडीए सहयोगियों के लिए दरवाजे खुले रहेंगे।

सुप्रभात

षड्ज पंचम सा
अचल संवाद हमारा
ऋषभ गंधार मध्यम
रमा सुरीला मन
धैवत निषाद से उतरती
खनकती आस में
लिपटी घनेरी कितनी रातें
उजली भोर भैरव
कुनकुनी
धूप नर्म रौशनी में
ढूंढ़ती जोगिया के सुरों में
गुंथी देह
आंखों से कानों से
नासिका से
जिव्हा से
हृदय से बह रही अथाह उर्जा
कभी षड्ज कभी पंचम हूं
सप्त स्वरों के मध्य में
व्याप्त तुम मौन सर्वत्र
षड्ज पंचम सा
निश्चल संवाद हमारा।

- श्रद्धा सुनील

चिलचिलाती धूप में किया रोड शो, उमड़ा जनसैलाब, सीएम डॉ. यादव ने कहा-

राहुल गांधी को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है, अब देश में उनकी बातें खत्म हो चुकी हैं

उत्तरप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उत्तरप्रदेश के रॉबर्टसगंज लोकसभा क्षेत्र के दुद्धी विधानसभा के सोनभद्र में विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी श्री श्रवण गौड़ एवं देवरिया लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री शशांकमणि त्रिपाठी के समर्थन में देवरिया सदर विधानसभा में चिलचिलाती धूम में रोड शो किया एवं आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बातों को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। राहुल गांधी तर्कहीन बातें करते हैं। अब उनकी बातें देश में खत्म हो चुकी हैं। जिस तरह से राहुल गांधी संविधान को बचाने की बातें कह रहे हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं मालूम है कि सबसे ज्यादा संविधान बदलने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने तो संविधान को बचाने का बीड़ा उठाया है। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से खोखली हो चुकी है और उनके नेता हवाहवाई बातें करते हैं। इस बार कांग्रेस सिर्फ एक टेम्पों की सवारी लायक रह जाएगी। पूरा देश मोदीमय है और हर तरफ भाजपा का

माहौल है। इस बार भाजपा 370 पार और एनडीए 400 पार सीटों के साथ सत्ता में फिर से वापसी करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को प्रातः पंजाब प्रवास के दौरान स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका और प्रबुद्धजनों से चाय पर चर्चा भी की।

कांग्रेस और उनका पूरा घमंडिया गठबंधन झूठ की फैक्ट्री है- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस और पूरा घमंडिया गठबंधन झूठ की फैक्ट्री है। उन्होंने हमेशा से देश की जनता के साथ झूठे वादे किए और झूठ बोलने का इतिहास रचा है। वे अब भी झूठ ही बोल रहे हैं। कांग्रेस में एक ही परिवार से पांच-पांच पीढ़ियां प्रधानमंत्री बनते रहे, लेकिन उन्होंने कभी भी देश के गरीबों का हित नहीं चाहा। स्व. जवाहरलाल नेहरू, स्व. इंदिरा गांधी, स्व. राजीव गांधी और 10 साल तक सोनिया गांधी पर्दे के पीछे से सरकार चलाती रहीं और हमेशा से गरीबी हटाने का नारा देते रहे, लेकिन वे देश से गरीबी दूर नहीं कर पाए। अब राहुल गांधी कह रहे हैं कि उन्हें प्रधानमंत्री बनाओ वे देश से गरीबी हटाएंगे। राहुल गांधी कितना झूठ बोलते हैं। उनकी बातों को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। वे सिर्फ हवाहवाई बातें करते हैं। देश के गरीबों का भला तो भाजपा सरकार ने किया है। यह काम वही कर सकता है, जिसने गरीबी देखी हो। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी एक गरीब परिवार से आए और उन्होंने पिछले 10 वर्षों में देश से गरीबी दूर करने का काम किया है। गरीबों को पक्के मकान बनाकर दिए हैं। महिलाओं को गैस सिलेंडर दिए हैं। किसान, जवानों को उनको अधिकार और सम्मान दिलाया है।

आजम को 10 साल की सजा का ऐलान

- मंत्री रहते हुए पूरी बस्ती को जबरन कराया था खाली

रामपुर (एजेंसी)। जेल की सलाखों के पीछे ही जिंदगी गुजार रहे समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान को आज फिर से सजा का ऐलान हो गया है। रामपुर एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान के खिलाफ डूंगरपुर केस में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आजम को डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने के मामले में दोषी पाया है। डूंगरपुर केस में आजम को 10 साल की जेल के साथ ही 14 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है। आजम के साथ ही उनके करीबी ठेकेदार बरकत अली को भी 7 साल की सजा मिली है। सीतापुर की जेल में बंद आजम खान की जेल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां को डूंगरपुर बस्ती खाली कराने के एक और मामले में बुधवार को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने दोषी करार दिया है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 44.5 °c
न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 31 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

फिलिस्तीन को मिला अब 'फिल्मिस्तान' का भी साथ

- बॉलीवुड सितारों ने इजरायल के खिलाफ खोला मोर्चा

तेलअवीव (एजेंसी)। राफा में रविवार को इजराइली एयरस्ट्राइक में 45 लोगों की मौत के बाद दुनियाभर में ऑल आइज ऑन राफा (सबकी नजर राफा पर) ट्रेंड कर रहा है। राजनीतिक कार्यकर्ताओं से लेकर बॉलीवुड और हॉलीवुड के सेलेब्रिटीज तक इस ट्रेंड से जुड़ चुके हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पिछले 24 घंटे में इससे जुड़ी 4 करोड़ से ज्यादा पोस्ट शेयर किए जा चुके हैं। इनमें प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट, करीना कपूर खान, माधुरी दीक्षित, ऋचा चड्ढा समेत कई स्टार्स शामिल हो चुके हैं। कई देशों और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के लाख मना करने के बावजूद बेंजामिन नेतन्याहू की सेना ने दक्षिण गाजा के शहर राफा में जो कत्लेआम मचाया है, उससे पूरी दुनिया सन्न है। इजरायली सेना ने लगातार तीन दिन राफा के दो राहत शिविरों पर ताबड़तोड़ हमले किए। इन हमलों में पहले 45 लोग मारे गए।

अनंत-राधिका की शादी 12 जुलाई को मुंबई में

- जियो वर्ल्ड सेंटर में 3 दिन चलेंगी रस्में

मुंबई (एजेंसी)। मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी 12 जुलाई को होगी। शादी के सभी फंक्शन मुंबई स्थित जियो वर्ल्ड सेंटर में होंगे। शादी के फंक्शन 3 दिन चलेंगे। 12 जुलाई को शादी होगी, 13 जुलाई को शुभ आशीर्वाद का कार्यक्रम होगा और 14 जुलाई को रिसेप्शन रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट में पहले कहा गया था कि यह शादी लंदन के लग्जरी होटल स्टोक पार्क में होगी। जियो वर्ल्ड सेंटर मुंबई के फेमस इलाके में है। यहां एक बॉलरूम है, जिसमें 3000 लोग एक साथ मौजूद रह सकते हैं। यह बॉलरूम जियो वर्ल्ड सेंटर के तीसरे फ्लोर पर 32,280 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है। इस साल जनवरी में आमिर खान की बेटी आयरा का वेडिंग रिसेप्शन और मार्च में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता भी जियो वर्ल्ड सेंटर में हुई थी।

पूर्व सीएम खट्टर की चेतावनी पर भड़के कर्मचारी

- बोले-मतगणना से पहले कर्मचारियों पर दबाव बनाने की कोशिश

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर और भाजपा नेताओं द्वारा कर्मचारियों और अधिकारियों को धमकी देने का मामला तूल पकड़ने लगा है। इसको लेकर कर्मचारियों ने नाराजगी जताई है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन बताया है। इसकी शिकायत भारतीय चुनाव आयोग से कर दी है। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल खट्टर इस समय सिर्फ लोकसभा कैंडीडेट हैं, इसके बावजूद वह लगातार प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी को धमकी दे रहे हैं। दरअसल, कुछ दिन पहले सीएम नायब सैनी ने कहा था कि अफसरों की मनमानी हम सरकार में नहीं चलने देंगे। लिस्ट तलब कर ली गई है। वहीं पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कहा था कि आज तुम्हारा टाइम है, 4 जून के बाद हमारा टाइम आएगा।

नफरत फैला रहे हैं मोदी, सेना पर थोपी अग्निवीर योजना

पंजाब के वोटरों को पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने लिखा खत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के आखिरी यानी सातवें चरण से पहले पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने गुरुवार को पंजाब के लोगों को संबोधित करते हुए एक खत लिखा है। इस दौरान उन्होंने मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा पंजाब और उसके निवासियों के साथ किए जा रहे व्यवहार पर चिंता व्यक्त की। डॉ. मनमोहन सिंह ने पत्र में कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने सर्वाधिक नफरत फैलाने वाले द्वेषपूर्ण भाषण दिए हैं, जो पूरी तरह विभाजनकारी प्रकृति के हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में किसी भी प्रधानमंत्री ने समाज के किसी विशेष वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए ऐसे घृणित, असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। पूर्व पीएम ने लिखा, मैं इस चुनाव अभियान के दौरान राजनीतिक चर्चाओं को बहुत ध्यान से देख रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद घृणास्पद भाषण दिए हैं, जो पूरी तरह से विभाजनकारी हैं। मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सार्वजनिक संवाद और प्रधानमंत्री पद की गंभीरता को कम किया है। इससे पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने किसी खास वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए इतनी घृणित, असंसदीय और निम्नस्तरीय भाषा का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने मेरे लिए भी कुछ गलत बयान दिए हैं। मैंने अपने जीवन में कभी भी एक समुदाय को दूसरे से अलग नहीं किया। यह भाजपा की आदत है। मनमोहन सिंह ने लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के तहत एक जून को होने वाले मतदान से पहले पंजाब के मतदाताओं से अपील करते हुए दावा किया कि केवल कांग्रेस ही है जो ऐसा विकासोन्मुख प्रगतिशील भविष्य सुनिश्चित कर सकती है, जहां लोकतंत्र और संविधान की रक्षा होगी। पंजाब के मतदाताओं को लिखे एक पत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने सशस्त्र बलों पर अग्निवीर योजना थोपने का भी आरोप लगाया और कहा, ''भाजपा सोचती है कि देशभक्ति, शौर्य और सेवा का मूल्य केवल चार साल है। यह उनके नकली राष्ट्रवाद को दर्शाता है।''पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''अतीत में किसी भी प्रधानमंत्री ने समाज के किसी खास वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के मकसद से इस तरह के द्वेषपूर्ण, असंसदीय और असभ्य शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने मेरे लिए कुछ गलत बयान भी दिए हैं। मैंने अपने जीवन में कभी भी एक समुदाय को दूसरे से अलग नहीं किया है।

सरकार बनते ही बढ़ जाएगी सेना की ताकत

के-9 वज्र के लिए खर्च होंगे 6000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र में नई सरकार बनते ही भारतीय सेना को और शक्तिशाली बनाने की तैयारी चल रही है। रक्षा शस्त्रागार को और घातक किया जाएगा। केंद्र सरकार की तरफ से अंतिम मंजूरी देनी बाकी है। नई सरकार बनते ही के-9 वज्र ऑटोमैटिक हॉवित्जर जैसे कई रक्षा सौदों को मंजूरी मिलने वाली है। इंडिया टुडे ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि 100 और के 9 वज्र तोपें और 30 एमएमडी के लिए इंजन खरीदने के लिए 6,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन सभी हथियारों को आत्मनिर्भरता परियोजना के तहत भारत में ही बनाया जाएगा। रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि केंद्र द्वारा मंजूरी दिए जाने वाली परियोजनाओं में मिसाइल विकास परियोजनाएं भी शामिल हैं, जिन्हें अनुसंधान और विकास के लिए शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि के-9 वज्र को पाकिस्तान और चीन की सीमाओं पर तैनात किया गया है।

म.प्र.में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस पर अंकुश

कलेक्टर फीस स्ट्रक्चर और अन्य एक्टिविटीज पोर्टल पर दर्ज कराएंगे, गड़बड़ी पर लेंगे एक्शन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली के मामले में जबलपुर कलेक्टर द्वारा की गई सख्ती के बाद इसके नतीजों को देखते हुए राज्य शासन ने अब प्रदेश के सभी कलेक्टरों को जिलों में कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। कहा गया है कि वे अपने जिले के सभी विद्यालयों की फीस और अन्य जानकारी पोर्टल पर दर्ज कराएं।

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों में मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2018 और नियम 2020 के प्रावधानों का पालन सख्ती से कराने को कहा है। इसको लेकर गुरुवार को जारी निर्देश में कलेक्टरों से कहा गया है कि लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा 20 मई को जारी पत्र में फीस और अन्य विषयों की जानकारी अशासकीय विद्यालयों से पोर्टल पर 8 जून तक जमा कराने के निर्देश जारी किए गए थे।

इस बीच साफ हुआ है कि कुछ विद्यालयों के मैनेजमेंट द्वारा सरकार के नियम और निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। ऐसे में मप्र निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 का खुला उल्लंघन हो रहा है। यह गंभीर है और इसकी शिकायतों को देखते हुए नए निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

30 जून तक फर्जी व डुप्लीकेट पुस्तकों संबंधी अभियान चलाएं- यह भी कहा गया है कि फर्जी व डुप्लीकेट आईएसबीएन पाठ्यपुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। इसे ठीक करने के लिए 30 जून 2024 तक विशेष अभियान चलाकर जांच कराएं। चिन्हित करें कि कितने विद्यालयों द्वारा किन कारणों से ऐसी गड़बड़ी की गई है? गड़बड़ी करने वाले प्रकाशक और बुक सेलर्स के विरुद्ध कार्रवाई भी की जाए।

बड़ी खुशखबरी ! केरल पहुंचा मानसून, अब होगी झमाझम

आईएमडी का ऐलान, भीषण गर्मी से जल्द मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विज्ञान विभाग ने औपचारिक तौर पर ऐलान कर दिया है कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून केरल पहुंच गया है। अमूमन मॉनसून एक जून को केरल पहुंचता है लेकिन इस साल अपने तय समय से तीन दिन पहले ही मॉनसून पहुंच चुका है। आईएमडी के वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि सभी स्थितियों के आंकलन के बाद आज हमने केरल में मानसून के पहुंचने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि केरल के अधिकांश हिस्सों और पूर्वोत्तर के कई हिस्सों को मॉनसून कवर कर चुका है। कुमार ने बताया कि अगले 3-4 दिनों में तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ हिस्सों के साथ-साथ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और शेष पूर्वोत्तर राज्यों को कवर कर लेने की संभावना है। बता दें कि अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर और असम में मॉनसून के आगमन की सामान्य तिथि 5 जून है। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि रविवार को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से गुजरे चक्रवात रेमल ने मॉनसून के प्रवाह को बंगाल की खाड़ी की ओर खींच लिया है, जो पूर्वोत्तर में मॉनसून के जल्दी आने का एक कारण हो सकता है।

पीएम मोदी का विवेकानंद रॉक पर 45 घंटे का ध्यान

- कन्याकुमारी में 1 जून तक रहेंगे, भगवती अम्मन देवी की पूजा भी की

कन्यकुमारी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल के ध्यान मंडपम में 45 घंटे का ध्यान शुरू हो चुका है। वे 1 जून तक ध्यानमग्न रहेंगे। मोदी उसी जगह ध्यान कर रहे हैं, जहां स्वामी विवेकानंद ने भी ध्यान किया था। लोकसभा चुनाव के प्रचार का शोर थमते ही पीएम मोदी गुरुवार की शाम कन्याकुमारी पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले भगवती देवी अम्मन मंदिर में दर्शन-पूजन किया। पूजा के दौरान मोदी सफेद धोती और शॉल पहना था। पुजारियों ने उन्हें विशेष आरती कराई और प्रसाद, शॉल और देवी भगवती अम्मन की फ्रेम में मढ़ी हुई तस्वीर दी। मोदी तिरुवनंतपुरम से कन्याकुमारी हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे। यहां से वे ध्यान मंडपम तक फेरी से पहुंचे। चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री की ध्यान यात्रा करने पर चुनावी कानून के तहत कोई रोक नहीं है।

इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह न खुलवाएं सात पीढ़ी के पाप निकालकर रख दूंगा

पंजाब को होशियारपुर की रैली में पीएम मोदी ने विपक्ष पर कर दिया बड़ा वार

होशियारपुर (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने 30 मई को लोकसभा चुनाव-2024 की आखिरी रैली को संबोधित किया। यह फतेह रैली पंजाब के होशियारपुर में हुई। पीएम ने इंडिया गठबंधन और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह न खुलवाएं, 7 पीढ़ी के पाप निकालकर रख दूंगा। पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले वीरों का अपमान करते हैं। पूर्व सीडीएस विपिन रावत का भी अपमान किया। उन्होंने कहा कि सेना 26 जनवरी के लिए तैयार नहीं की जाती है। सेना लड़ाई के लिए तैयार की जाती है, लेकिन इन्होंने सेना को भी राजनीति का हथियार बना दिया है। इन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे। सेनाओं को कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन सेना का अपमान मोदी बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार में डबल पीएचडी कर ली है। कांग्रेस की गोद से कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी (एएपी) पैदा हुई है। कहते थे कि पंजाब को नशा मुक्त करेंगे, लेकिन इन्होंने नशे को ही अपनी कमाई का तरीका बना लिया। पंजाब में दोनों पार्टियां आमने-सामने लड़ने का दावा कर रही हैं, जबकि दिल्ली में एक साथ हैं।

गाजा की जंग में कूदा चीन फिलिस्तीन की करेगा मदद

बीजिंग (एजेंसी)। राफा में इजराइल के ताजा हमले के बाद इजरायल-हमास युद्ध एक बार फिर चर्चा में है। इस बीच चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को बीजिंग में अरब देशों के नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन की शुरुआत की है। यहां जिनपिंग ने गाजा में प्रभावित लोगों के लिए मानवीय सहायता देने की घोषणा की है और फ्री-फिलिस्तीन के नारे को भी दोहराया है। शी ने चीन-अरब स्टेटस कोऑपरेटिव फोरम का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा, पिछले अक्टूबर से फिलिस्तीन-इजरायल संघर्ष बढ़ गया है, जिससे लोगों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। युद्ध अनिश्चितकाल तक जारी नहीं रहना चाहिए। इस दौरान शी जिनपिंग ने गाजा की मदद के लिए 500 मिलियन युआन यानी 69 मिलियन डॉलर देने का वादा किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी को 3 मिलियन डॉलर का दान देने का भी वादा किया जो इजराइल-हमास युद्ध के शरणार्थियों की सहायता करता है। वहीं चीन ने टू-स्टेट सॉल्यूशन के समर्थन को भी दोहराया। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, युद्ध में अब तक 36,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की जान गई है। अरब देशों के साथ-साथ चीन भी संघर्ष में फिलिस्तीन का समर्थन कर रहा है।

हिमाचल में जंगल की आग से चिंता में डूबा हाईकोर्ट

लिया स्वतः संज्ञान, अब तक 9500 हेक्टेयर भूमि जली

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में इस साल गर्मी की शुरुआत से लेकर अब तक जंगल में आग लगने की 1,033 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इस दौरान पिछले 44 दिनों में अब तक 9,500 हेक्टेयर से अधिक भूमि जल चुकी है। जिसके बाद हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने आग लगने की इन घटनाओं का स्वतः संज्ञान लिया है। इस बारे में वन विभाग ने उच्च न्यायालय को एक एक्शन टेकन रिपोर्ट सौंपी है। अब न्यायालय ने विभाग को जंगल में आग की रोकथाम करने के लिए और कोशिशें करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 25 जून के लिए तय की है। जंगलों में लगी आग के बारे में बात करते हुए राज्य के वन प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त प्रधान संरक्षक पीके राणा ने कहा, हिमाचल प्रदेश में इस साल अब तक आग लगने की 1033 घटनाएं सामने आई हैं। हम आग की अधिकांश घटनाओं पर काबू पा चुके हैं। हालांकि राज्य के लगभग 25 वन क्षेत्र अभी भी जंगल की आग की चपेट में हैं और संबंधित अधिकारी आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। राणा ने आगे कहा, हिमाचल प्रदेश में आमतौर पर जंगलों में आग 15 अप्रैल से 30 जून तक लगती है, लेकिन मौसम और जलवायु में बदलाव के कारण हमने आग के मौसम से पहले ही आग बुझाने के उपाय कर लिए थे। जिसके चलते हम 8000 हेक्टेयर वन क्षेत्र में आग पर काबू पाने में सफल रहे हैं और आग के मौसम के लिए तैयार रहने के वास्ते हमने 1000 किलोमीटर के अन्य क्षेत्र में भी काम किया है। अधिकारी ने कहा, हम लोगों को वनों में लगी आग के बारे में जागरुक करने के लिए पहले ही 900 जनसभाएं कर चुके हैं। आगे राणा ने बताया, अब तक 9,500 हेक्टेयर जंगल जल चुका है, हम लोगों की भागीदारी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे पास संयुक्त वन प्रबंधन समितियां और महिला मंडल हैं, जो हमारी मदद और हमारा समर्थन कर रही हैं।

मोदी ने 758 बार लिया खुद का नाम, 224 बार मुस्लिमों का जिक्र

मल्लिकार्जुन खरगे ने साधा निशाना, कहा-मंदिर के बारे में 421 बार बात की है

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को होने वाले लोकसभा इलेक्शन 2024 के सातवें और अंतिम चरण के मतदान के लिए गुरुवार को चुनाव प्रचार थम गया है। आखिरी दिन विरोधी पार्टियों ने एक दूसरे पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना नाम 758 बार लिया है, मंदिर के बारे में 421 बार बात की है और मुस्लिम, पाकिस्तान और अल्पसंख्यकों का 224 बार उल्लेख किया है, लेकिन पिछले पंद्रह दिनों में एक बार भी महंगाई और बेरोजगारी के बारे में नहीं बोला। खरगे ने गुरुवार को यह भी दावा किया कि 4 जून को लोग एक नई, वैकल्पिक सरकार के लिए फैसला देंगे और इंडिया गठबंधन बहुमत की सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा, अगर हम भाजपा के अभियान को देखें और प्रधानमंत्री के बारे में बात करें, तो पिछले 15 दिनों में उन्होंने 232 बार कांग्रेस का जिक्र किया। उन्होंने 758 बार खुद का नाम (मोदी) लिया और 573 बार उन्होंने इंडिया गठबंधन और विपक्षी दलों के बारे में बात की। लेकिन महंगाई और बेरोजगारी के बारे में एक बार भी नहीं बोले। यह दर्शाता है कि उन्होंने महत्वपूर्ण मुद्दों को एक तरफ रख दिया और अभियान में केवल अपने बारे में बात की। कांग्रेस अध्यक्ष ने गुरुवार को कहा, चुनाव आयोग ने कहा था कि जाति या सांप्रदायिक आधार पर कोई अपील नहीं की जाएगी। लेकिन मोदी जी ने 421 मौकों पर मंदिर के बारे में बात की।

जय हिंद सेना भोपाल ने चलाया 'वृक्ष दान' अभियान

राहगीरों को बांटे पौधे, कहा-भविष्य में गर्मी से बचने के लिए पौधे लगाएं

भोपाल (नप्र)। राजधानी में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच जय हिंद सेना ने लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। सेना ने 'वृक्ष दान' अभियान शुरू किया है, जिसके तहत राहगीरों को पौधे बांटकर कहा जा रहा है कि आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध वातावरण देने के लिए पौधे लगाएं और उनकी देखरेख करें। ताकि पौधे बड़े होकर गर्मी से बचाव करें। इससे पानी की पूर्ति भी होगी और आक्सीजन भी मिलेगी। अभियान के तहत अरुण पांडे, वीर बहादुर, राणा भट्ट, पियूष रैकवार, दीपेंद्र सिंह बघेल, आदित्य मिश्रा, वैभव योगी, कुणाल प्रजापति, रोहित तिवारी, सुभाष गोयल, आकाश आदि सदस्यों ने सड़कों से गुजरते लोगों को पौधे सौंपे। सेना के प्रदेश अध्यक्ष अरुण पांडे ने बताया कि गर्मी बढ़ने का कारण वृक्षों की लगातार होती कमी है। अभियान के माध्यम से हम आम नागरिकों को पौधे दान करके उन्हें लगाने के महत्व भी समझा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सेना के सदस्य शहर के प्रत्येक क्षेत्र में अभियान चला रहे हैं। सेना ने विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) को 1000 से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। ताकि जनता को पर्यावरण का महत्व समझाया जा सके।

भोपाल सेंट्रल जेल में गीत-संगीत कार्यक्रम 2 जून को

मधुवन मानव सेवा एक संकल्प, संस्था के कलाकार देंगे सुमधुर गीतों की प्रस्तुति

भोपाल (नप्र)। भोपाल सेंट्रल जेल में मधुबन मानव सेवा एक संकल्प संस्था 2 जून (रविवार) को गीत-संगीत का कार्यक्रम आयोजित करेगी। जिसमें संस्था के सदस्यों के साथ ही सेंट्रल जेल अधीक्षक शानदार गीतों की प्रस्तुति देंगे।

ग्रुप की अध्यक्ष सारिका सप्रे ने बताया कि बंदी भाईयों को अपराध से दूर रहकर अपना जीवन यापन करने और संगीत के माध्यम से अवसाद दूर करके स्वस्थ रहने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सेंट्रल जेल के जेल अधीक्षक के आमंत्रण पर आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में गायक हमारे ही ग्रुप के सचिव हर्षा श्रीवास्तव, नैना श्रीवास्तव, रिदविक सप्रे, अभय बापट, नीना कामले, संदीप, अजय पाटिल सहित कैदी भाई भी गीतों की प्रस्तुति देंगे।

नवग्रह मंदिर नेहरू नगर भोपाल में शनि महायज्ञ

शनि महायज्ञ प्रारंभ, आज से प्रारंभ होगी श्रीमद्भागवत कथा

भोपाल (नप्र)। नेहरू नगर स्थित प्राचीन नवग्रह मंदिर में 121 कुंडीय शनि महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को कलश यात्रा के साथ यज्ञ प्रारंभ हुआ। गुरुवार को श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप में बैठकर आहुति दीं। इसके साथ ही यज्ञ स्थल पर श्रीमद्भागवत कथा भी प्रारंभ हो गई है। कथा वाचन पंडित जितेंद्र वैष्णव ने भागवत की महिमा का वर्णन किया। यज्ञ शनि जयंती 6 जून तक चलेगा। मंदिर के संस्थापक पुजारी पंडित गजेंद्र शास्त्री ने बताया कि सुबह भगवान शनि का पंचामृत से अभिषेक किया गया। 51 ब्राह्मणों ने हवन कुंड में अग्नि प्रज्जवलित की। दोपहर में श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ हुई। एक जून से श्रीराम कथा भी प्रारंभ हो रही है। वहीं प्रवचनकार वैभव भटेले प्रवचन भी करेंगे। उन्होंने बताया कि 6 जून तक रोज महायज्ञ चलेगा और भगवान शनि का अभिषेक, श्रृंगार और विशेष पूजा-पाठ किया जाएगा।

हरदा में नदी में डूबने से महिला और बच्चे की मौत, दिल्ली से परिजन के यहां आए थे

हरदा (नप्र)। हरदा में नदी में डूबने से एक महिला और बच्चे की मौत हो गई। घटना हंडिया थाना क्षेत्र के कचबेड़ी गांव में गुरुवार दोपहर की है। महिला का नाम काजल (24) पति राजकुमार और बच्चे का नाम किशन गोपाल (11) पिता चरण सिंह बताया जा रहा है। दोनों के शव अजलान नदी में मिले। दोनों दिल्ली के रहने वाले हैं। वे रविवार को हरदा में अपने परिजन के यहां आए थे।

एमपी में 15 से 20 जून तक आएगा मानसून

निवाड़ी में 20 साल का रिकॉर्ड टूटा, पारा 48 डिग्री पहुंचा; 33 जिलों में भीषण गर्मी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में नौतपा के छठे दिन भी गुरुवार को गर्म हवाएं चल रही हैं। आज 33 जिलों में भीषण गर्मी है। निवाड़ी फिर सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 48 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने ग्वालियर-चंबल में लू का रेड अलर्ट जारी किया है। ग्वालियर में गुरुवार सुबह 8.30 बजे ही तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस रहा। दोपहर 12 बजे पारा 42 डिग्री पर पहुंच गया। वहीं, 31 मई को भी प्रदेश के ग्वालियर, चंबल, मालवा-निमाड़ में भीषण लू चलने का अनुमान जताया है।

उधर, मानसून ने तय तारीख से एक दिन पहले 30 मई को केरल में दस्तक दे दी है। ऐसे में मौसम विभाग ने एमपी में 15 से 20 जून के बीच मानसून आने का अनुमान जताया है।

टीकमगढ़ में कलेक्ट्रेट परिसर में पक्षियों के लिए बांधे सकोरे- टीकमगढ़ में पिछले एक पखवाड़े से पड़ रही गर्मी और तेज धूप के कारण लोगों का बुरा हाल है। भीषण गर्मी के कारण कई जगह पक्षी मरने लगे हैं। ऐसे हालात में गुरुवार को कलेक्टर अवधेश शर्मा ने अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में पक्षियों के लिए पेड़ों पर सकोरे बांधकर उनमें पानी और दाना डाला।

रीवा में पारा 46 डिग्री, अस्पताल में वाटर कूलर खराब - रीवा में नौतपा के 6वें दिन तापमान 46 डिग्री पहुंच गया। संजय गांधी अस्पताल में कई वाटर कूलर खराब हैं। इससे मरीज और उनके परिजनों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

हीटस्ट्रोक चमगादर और चिड़ियों की मौंते

कई जिलों में तो पारा 46 डिग्री तक पहुंच गया है। हालात ये हैं कि पशु-पक्षी हीटस्ट्रोक का शिकार हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें आप देखेंगे कि नीचे जमीन पर चिड़िया और चमगादर मृत अवस्था में गिरे हुए हैं। हीटस्ट्रोक की वजह से उन्होंने अपनी जान गंवा दी है। कई चमगादड़ों हीटस्ट्रोक की वजह से बेहोश होकर गिर गए हैं। वीडियो में वो तड़पते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो रतलाम का है। घने पेड़ों पर बैठे पक्षियों की ये हालत देखकर आपकी भी आत्मा कांप जाएगी।

भोपाल में दोपहर 3 बजे 40 डिग्री पर पहुंचा पारा

भोपाल में नौतपा जमकर तप रहा है। छठवें दिन गुरुवार की दोपहर तीन बजे पारा 40 डिग्री पर पहुंच गया। पारे ने साढ़े तीन घंटे में 3 डिग्री की उछाल मारी। सुबह 11.30 बजे टेम्प्रेचर 37 डिग्री रिकॉर्ड हुआ था। सुबह साढ़े पांच बजे पारा 29.3 पर था। 8.30 पर ये 32 डिग्री पर पहुंच गया। ठीक तीन घंटे बाद 11.30 बजे पांच डिग्री की उछाल के साथ 37 डिग्री पर पहुंच गया।पिछले 5 दिन में 2 बार टेम्प्रेचर 45 डिग्री के पार रहा है। बुधवार को भोपाल में दिन का पारा एक डिग्री गिरा, लेकिन फिर भी यह अधिकतम 44.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 29.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने नौतपा के छठवें दिन यानी, गुरुवार को भी लू का यलो अलर्ट जारी किया है।

गर्मी के रिकॉर्ड टूटे

इस नौतपा में गर्मी के रिकॉर्ड टूट गए हैं। 26 मई को 40 साल में दूसरी बार भोपाल सबसे हॉट रहा था। इस दिन टेम्प्रेचर रिकॉर्ड 45.4 डिग्री रहा था। वहीं, 28 मई को पारा 45.1 डिग्री दर्ज किया गया था। गर्मी का ओवरऑल रिकॉर्ड 21 मई 2016 के नाम है। तब टेम्प्रेचर रिकॉर्ड 46.7 डिग्री पहुंचा था।

खाली प्लॉट में मिली नवजात

- रोने की आवाज सुनकर पहुंचे लोग; डॉक्टर बोले- कुछ घंटे पहले जन्मी, वजन कम

डिंडौरी (नप्र)। डिंडौरी के समनापुर में खाली प्लॉट में नवजात मिली है। बुधवार शाम को मोहल्ले के लोगों को बच्ची के रोने की आवाज आ रही थी। लोगों ने उसे उठाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस डॉक्टर के साथ पहुंची और बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। समनापुर थाना प्रभारी एसआई पारस यादव ने बताया, टेकरी मोहल्ले से 100 डायल को सूचना मिली थी कि बाड़ी में नवजात के रोने की आवाज आ रही है। तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों को जानकारी दी गई और नवजात को इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

बच्ची का वजन कम, जिला अस्पताल किया रेफर- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर चंद्र शेखर धुर्वे ने बताया, नवजात का जन्म कुछ घंटे पहले होने का अनुमान है। प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में शिशु चिकित्सा गहन इकाई में भर्ती करवाया गया है।

जिला अस्पताल के डॉ. रोहित साहू ने बताया कि नवजात बच्ची का वजन कम है। उसे नली से दूध पिलाया जा रहा है। दो-तीन दिन इन्क्यूबेटर में रखेंगे। जैसे ही वजन बढ़ेगा बच्ची को चम्मच से दूध पिलाया जाएगा।

घर के पीछे बाड़ी में कपड़े में लिपटा था नवजात- टेकरी मोहल्ले के रहने वाले दुर्गेश यादव ने बताया, संतराम उसराठे के घर के पीछे मेरी पत्नी ने रोने की आवाज सुनी। इसके बाद उसने घर के पीछे बाड़ी में जाकर देखा। उसने मुझे आवाज लगाई। मैं पहुंचा तो वहां नवजात एक कपड़े में लिपटी हुई थी। मैंने डायल 100 और 108 को कॉल कर जानकारी दी।

भोपाल में गायत्री परिवार का विश्व तंबाकू निषेध अभियान

कोलार में निकाली व्यसन मुक्ति रैली, नशे से दूर रहने का दिया संदेश

भोपाल (नप्र)। गायत्री परिवार तंबाकू निषेध अभियान चला रहा है। इसके तहत प्रतिदिन गतिविधि आयोजित की जा रही हैं। बुधवार को बरखेड़ा गायत्री प्रज्ञापीठ एवं गायत्री शक्तिपीठ युवा प्रकोष्ठ के सहयोग से गायत्री परिवार कोलार रोड शाखा ने नशा उन्मूलन रैली निकाली।

रैली कोलार रोड नयापुरा ललिता नगर मार्केट से प्रारंभ होकर कटियार मार्केट, सस्ता भंडार, पुरानी साहू आटा चक्की से होती हुई प्रियंका नगर, साहू आटा चक्की के पास मार्केट में समापन हुआ। रैली में नशा छोड़ने के उपाय एवं नशे से होने वाली विभिन्न बीमारियों के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। व्यसन पर एक फिल्म दिखाकर एवं नुक्कड़ नाटक किया गया। रैली के समापन पर गायत्री परिवार के मध्य प्रदेश जोन समन्वयक राजेश पटेल ने कहा कि गायत्री परिवार का लक्ष्य है कि हमारा राष्ट्र नशा मुक्त हो।

इसलिए व्यसन से बचें और सृजन में लगें। युवा समन्वय अमर धाकड़ ने कहा कि 31 मई (विश्व तंबाकू निषेध दिवस) पर भोपाल में ज्योति टॉकीज के सामने फूल वालों के गैलरी मे स्मार्ट सिटी शेड में गायत्री परिवार मानव श्रृंखला, नुक्कड़ नाटक, फिल्म प्रदर्शन करेगा।

इसके अलावा सभी धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से विविध कार्यक्रम आयोजित कर बताया गया कि व्यसन से कैसे दूर रहें। उसके क्या दुष्परिणाम हैं। 31 मई को रैली निकाल कर जनजागरण किया जाएगा।

बैठक में लिया निर्णय

गायत्री शक्तिपीठ भोपाल में बैठक कर कार्यक्रम को विधिवत आयोजित करने की रूपरेखा बनाई। इस अवसर पर विशेष रूप से हरि नारायण सेन, श्याम शर्मा, शिवनारायण राजपूत, अनिल कछावा, महेश विजयवर्गीय, जीवन डेहरिया, खादीपुरे, वल्दिया एवं महिला मंडल की सभी सदस्य थे।

युवक को पेशाब पिलाने वाले जीजा का जुलूस निकाला

गुना से अगवा कर ले गया था राजस्थान, घागरा पहनाकर घुमाया; 4 गिरफ्तार

गुना (नप्र)। गुना से युवक को अगवा कर राजस्थान ले जाकर पेशाब पिलाने वाले जीजा का पुलिस ने शहर में जुलूस निकाला। गुरुवार को गुना पुलिस चार आरोपियों को तेलघानी चौराहे से हनुमान चौराहे तक पैदल ले गई, इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया। मामले में गुना के फतेहगढ़ थाने में राजस्थान के 7 आरोपियों पर एफआईआर दर्ज हैं। 4 गिरफ्तार हो चुके हैं।

मावन (गुना) के महेंद्र सिंह बंजारा को आरोपी 22 मई को अगवा कर राजस्थान के जंगल ले गए थे। वहां जीजा और उसके भाइयों ने पेशाब पिलाकर पीटा, मुंडन किया, लड़की के कपड़े और चप्पलों की माला पहनाई थी। घागरा पहनाकर गांव में घुमाया था।

पुलिस ने आरोपी जीजा रमेश बंजारा, उसके भाई जगदीश बंजारा, गुमान सिंह, तूफान सिंह को अलडान (राजस्थान) से गिरफ्तार किया। आरोपियों का गुना शहर में तेलघानी से हनुमान चौराहे तक जुलूस निकाला गया।

चाचा मोहन बंजारा ने उनकी बेटी संगीता की शादी 2020 में रमेश बंजारा से की थी। चाचा, आगर बड़ौद (राजस्थान) के रहने वाले हैं। रमेश भी राजस्थान के बारां जिले के अलडान, थाना अटरू का रहने वाला है।

सालभर पहले रमेश के बड़े भाई का निधन हो गया। उसने भाभी को साथ रख लिया। इसके बाद से रमेश और संगीता में झगड़े होने लगे।

रमेश, संगीता से मारपीट करने लगा। परेशान होकर कुछ महीने पहले संगीता मायके चली आई थी। परिवार के समझाने पर वह ससुराल लौटी। दो महीने पहले संगीता लापता हो गई, लेकिन इस बार वह मायके नहीं पहुंची।

ठंडा पिलाने का बोलकर साथ ले गए... जीजा को लगता है कि हमें पता है संगीता कहां है। बात 22 मई की है। मैं फतेहगढ़ (गुना) इलाके के भौंरा गांव में काम करने के लिए गया था। जीजा रमेश बंजारा आए। बोले- गर्मी बहुत पड़ रही है, चलो सेन बोर्ड चौराहे (फतेहगढ़, गुना) से ठंडा पीकर आते हैं।

दोपहर के 3 बज रहे थे। हम सेन बोर्ड पेट्रोल पंप पर आए। यहां जीजा के भाई जगदीश, गुमान सिंह व तूफान, रिश्तेदार ओमकार, सोदान सिंह, बदन सिंह पहले से मौजूद मिले। जीजा के रिश्तेदार खाताखेड़ा गुलाड़ी बंगला (झालावाड़, राजस्थान) के रहने वाले हैं। सभी लोग लाल कलर की जीप में बैठे थे। जैसे ही मैं करीब पहुंचा, सभी मुझे जबरदस्ती जीप में बैठाकर राजस्थान की तरफ ले गए। पीड़ित महेंद्र का कहना था कि अगर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो वह सुसाइड कर लेगा। बहुत अपमानित महसूस हो रहा है।

जंगल में बैठाकर पीटा, अपमानित किया... राजस्थान में एक जगह मुझे जंगल में बैठाकर लात - घूंसों और चप्पलों से पीटा। सौदान सिंह, बदन, गुमान, तूफान ने मेरे बाल काटे। गुमान, ओमकार और तूफान ने मुझे पेशाब पिलाई। फिर इन लोगों ने मेरे गले में जूते - चप्पल की माला पहनाई। बुरी तरह अपमानित किया। वीडियो बनाए। ये लोग कह रहे थे कि तुम्हारी बहन किसी आदमी के साथ भागी है, उसे जीजा रमेश के सुपुर्द कर देना, वरना जान से खत्म कर देंगे। मैंने उनसे कहा भी कि हमें नहीं पता वह कहां है, आप लोग भी ढूंढो, हम भी ढूंढते हैं। उनका कहना था कि मेरे चाचा ने ही संगीता को गायब किया है।

मेरा भाई नाथूलाल आया और उसने जीजा से कहा कि संगीता को पहुंचवा देंगे, तब मुझे छोड़ा।

संपादकीय

प्रचंड गर्मी से झुलसता देश

समूचा देश भयंकर गर्मी की चपेट में है। देश की राजधानी दिल्ली में पारे ने 52 डिग्री से ऊपर की छलांग लगाकर नई दहशत पैदा कर दी है। भीषण गर्मी से जहां देश में बिजली और पानी की खपत बेतहाशा बढ़ रही है, वहीं पशु-पक्षी और गरीबों का जीना हराम हो गया है। वैज्ञानिक इसे ग्लोबल वार्निंग का नतीजा बता रहे हैं। यह अब महसूस हो रहा है कि हरियाली को खत्म करने का परिणाम क्या होता है। दिल्ली के मुंगेशपुर में बुधवार को 52.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। हालांकि इतने भीषण तापमान की प्रामाणिकता पर कुछ संशय है, इसलिए तापमापियों के सेंसर की जांच की जा रही है। दरअसल गर्मी के रिकॉर्ड पिछले कुछ सालों में लगातार टूट रहे हैं। भोपाल सहित मप्र के चार शहरों ने 45 डिग्री के ऊपर पारा दर्ज किया है। जबकि देश के 10 शहरों में टेंप्रेचर 47 डिग्री से ऊपर मापा गया। इस गर्मी से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। दोपहर में भारी भीड़ वाले शहरों में भी रास्ते सूने रहते हैं। अस्पतालों में डायरिया और डीहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। ग्वालियर में दो बहन भाइयों की लू लगने से मौत हो गई तो बिहार में कई स्कूली छात्राएं भीषण गर्मी और उमस से बेहोश हो गईं। गौरतलब है कि सोमवार को यूपी, एमपी व राजस्थान समेत 10 राज्यों की 75 जगहों का तापमान 45 डिग्री या उससे ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। 1 मार्च से अब तक पूरे देश में हीट स्ट्रोक के करीब 20 हजार केस सामने आए हैं। राजस्थान में पिछले एक हफ्ते में अत्यधिक गर्मी से 48 लोगों की मौत हो चुकी है। यह गर्मी शरीर के लिए भी हानिकारक है। विशेषज्ञों के अनुसार एक स्वस्थ मनुष्य के शरीर का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस या 98.6 डिग्री फारेनहाइट होता है। हमारा शरीर प्राकृतिक रूप से इस तरह से डिजाइन किया हुआ है कि हर हाल में इस तापमान को बनाकर रखने की कोशिश करता है। 40 डिग्री के ऊपर के तापमान पर प्रोटीन पर असर पड़ने लगता है। उधर मौसम विभाग ने फिलहाल किसी राहत की उम्मीद नहीं जताई है। कई राज्यों में अत्यधिक गर्मी और लू चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। अभी नौतपा खत्म होने में दो दिन बाकी हैं। चिंता की बात यह है कि आज सभी लोग गर्मी को कोस रहे हैं, लेकिन प्रकृति के इस रौद्र रूप को थामने के लिए हरियाली खत्म करने और पर्यावरण बिगाड़ने के लिए हम ही दोषी हैं। पूरे देश में तेजी से जंगल साफ हो रहे हैं तो शहरों में जो हरियाली थी, वह घट के चौथाई रह गई है। बढ़ते शहरीकरण के चलते खेत भी खत्म हो रहे हैं और पेड़ों की बेरहम कटाई जारी है। विकास और मकानों के लिए चार सौ पेड़ कटते हैं और लगते चार भी नहीं है। उसकी भी खानापूर्ति कागजों में कर ली जाती है। भोपाल जैसे कभी हरा भरा कहलाने वाले शहर की भी हालत भी खस्ता है। चारों तरफ सीमेंट के जंगल उग रहे हैं। ये इमारतें गर्मी में भीषण तपती हैं और ताप उत्सर्जित करती हैं। गर्मी के मौसम में हाहाकार मचता है। जैसे ही गर्मी बीतती है, अब उसी ढर्रे पर चलने लगता है। वैसे भी प्रचंड गर्मी केवल भारत की समस्या न होकर पूरे विश्व की है। वैश्विक स्तर पर पर्यावरण बचाने को लेकर सम्मेलन होते हैं, लेकिन नतीजा शून्य ही रहता है, क्योंकि सबको अपने स्वार्थों की चिंता है। कार्बन उत्सर्जन रोकने के लिए कार्बन क्रेडिट देने की बात हो रही है। पैसे वाले मुल्क इसका भी नाजायज फायदा उठा रहे हैं।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

चुनाव बाद राजनीतिक नेतृत्व के लिए आशान्वित भारतीय महिलाएं

भारत मातृशक्ति का आदर करता है। मातृशक्ति की प्रतिभागिता अपाला, घोशा व गार्गी जैसी विदुषियों से गौरवांवित होता है। देश में अब आज़ादी के बाद जितनी भी सरकारें बनीं, उसमें महिलाओं को कितना नेतृत्व मिला, इसका आकलन समय-समय पर होता रहा है। देश में आधी आबादी का प्रतिनिधित्व तो भरपूर होने ही चाहिए लेकिन हमारे देश में नारी शक्ति वंदन अधिनियम या महिला आरक्षण बिल पास होने के बाद ज्यादा अवसर की संभावनाओं को सरकार ने खोला। यह एक ऐसा बिल है जिस पर महिलाओं ने जश्न मनाया और इसे उजाले की ओर बढ़ते कदम के रूप में स्वीकार भी किया। स्मरण करें जब यह बिल आया था तो प्रधान मंत्री की ओर से कहा गया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कानून है जो महिला सशक्तीकरण को और बढ़ावा देगा। इससे राजनीतिक प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

देश की नारी शक्ति एक नए चुनाव के दौर से गुजर रही है और उसे यदि यह विश्वास हो कि इस नई सरकार में स्त्रियों को अधिक प्रतिनिधित्व मिलेगा तो यह कोई उसकी अतिरेकवादी सोच नहीं होगी। देश में सरकारें चुनी जाती हैं राज्यों में और केंद्र में भी लेकिन महिलाओं का प्रतिनिधित्व यह ज़रूर जाहिर करते हैं कि स्त्रियों को हम कितना महत्व दे रहे हैं। उन्हें सरकार में और विभिन्न आयोग व सरकारी उपक्रम में कितना स्थापित करने में मदद कर रहे हैं। राज्य का चेहरा स्त्रियों के सम्मान के लिए भी केवल दिखावा मात्र भी नहीं होना चाहिए। सच्चे मायने में स्त्रियों का निर्णय लेने में, उन्हें स्वयं को अभिव्यक्त करने में कितनी सरलता है, वही उनकी प्रतिभागिता का सच्चा पैमाना माना जा सकता है।

एक समय था जब देश की ही बेटी हंशा मेहता ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित एलीनर रूजवेल्ट की अध्यक्षता में मानवाधिकारों का जो सार्वभौम घोषणा-पत्र 1948 में लागू हुआ, उसमें भारतीय प्रतिनिधित्व किया था। वैश्विक छवि है हमारे देश की, उसमें स्त्री प्रतिभागिता होने की वजह से। श्रीमती हंशा मेहता भारत की पहली महिला कुलपति होने का भी सौभाग्य प्राप्त महिला हैं। स्त्रियों की इस प्रकार की प्रतिभागिता और प्रतिनिधित्व की कथाएं कालांतर में आइकॉनिक हो जाती हैं। ऐसे कार्य में प्रतिभागिता से स्त्रियाँ उदहारणीय हो जाती हैं। जिस भी देश में स्त्रियों ने ऐसे ऐतिहासिक भूमिकाओं में अपनी यात्रा शुरू की और कुछ निर्णयात्मक लक्ष्य को भी हासिल कीं, वे देश आदर के साथ रेखांकित किए जाते हैं। हम भारत में हंसा मेहता जी का नाम ले रहे हैं तो निःसंदेह एलीनर रूजवेल्ट का भी नाम साथ में जोड़ रहे हैं। एलीनर रूजवेल्ट भारत के लिए उतना अहम नहीं है लेकिन वह फ्रैंकलिन रूजवेल्ट की जीवनसंगिनी होने की वजह से उन दिनों प्रथम महिला होने का सौभाग्य प्राप्त की थीं, आज उनका भी नाम हम स्मरण कर रहे हैं जो अमेरिका के लिए निःसंदेह उदहारणीय हैं। महिलाओं का अपना सौभाग्य उनके जीवन का उदहारण होता है।

भारत में जब भी सरकारें बनें तो फिर महिलाओं का क्यों न हो अधिक प्रतिनिधित्व? इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि अभी भी जितना महिलाओं को राजनितिक प्रतिभागिता मिलनी चाहिए थी, नहीं मिली। भारत की प्रथम महिला प्रधान मंत्री के रूप में श्रीमती इंदिरा गाँधी, प्रथम महिला राष्ट्रपति के रूप में श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील का नाम आदर से लिया जाता है। आज का वर्तमान अपने देश की महिला राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से भी गौरवांवित है। हाल के वर्षों में सुश्री मीरा कुमार और श्रीमती सुमित्रा महाजन लोकसभा स्पीकर के रूप में सबके आदर की पात्र रहीं। आज बड़ा सवाल है कि महिलाओं का अधिकतम प्रतिनिधित्व से भारत कब गर्व महसूस करेगा? क्या आने वाले समय में भारत एक नई स्त्री-शक्ति के प्रतिनिधित्व का नई लकीर खींचने को तैयार है? क्या भारत की सोच में राजनितिक महिला सशक्तीकरण, उसकी प्राथमिकताओं में शामिल हो चुका है? यह सवाल थोड़ा परेशान कर सकते हैं। लेकिन सही मायने में देखा जाए तो महिलाओं को अधिकतम प्रतिनिधित्व देकर भारत दुनिया में अपनी एक नई इमेज बना सकता है। आज पूरा विश्व संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस की इसलिए तारीफ़ करता है क्योंकि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की प्रतिभागिता पचास प्रतिशत कर दी। जिन महिलाओं को संयुक्त राष्ट्र में काम करने का अवसर मिला वे ईश्वर के आशीष से ही केवल वह अवसर नहीं पायी हैं, अपितु उनकी दक्षता, क्षमता और उत्कृष्ट सोच से वह सब कुछ प्राप्त कर सकी हैं। एंतोनियो गुटेरेस ने निश्चय ही यह ज़रूर कोशिश की कि महिलाओं को काम करने का अधिकतम हम अवसर प्रदान करें, उन्हें प्राथमिकता दें।

महिलाएं भारत की जनसंख्या का क़रीब आधा हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें देश की आर्थिक प्रतिभागिता व संपन्नता का बहुत कम लाभ मिला है। अधिकांश महिलाओं के अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत होने के के प्रभाव बीच में प्रश्नांकित हुए हैं, खासकर उनके स्वस्थ्य के मुद्दे चर्चा के केंद्र में थे, लेकिन महिलाओं ने हार नहीं मानी। देश भर से ऐसी कई मजबूत औरतों की कहानियां सामने आई हैं, जिन्होंने अपने घरों से बाहर निकलकर साहस, परिश्रम, और अपनी अच्छी सोच का प्रदर्शन करते हुए अपने समुदाय की सहायता की है। वर्ष 2023 के लिए 'लैंगिक सैन्य पैरोकार' पुरस्कार से सम्मानित भारतीय शान्तिरक्षक मेजर राधिका सेन चर्चा में हैं। मेजर राधिका सेन ने, मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक काँगो लोकतांत्रिक गणराज्य-डीआरसी के पूर्वी इलाक़े में भारतीय बटालियन में यूएन मिशन-एमओएनयूएससीओ के सम्पर्क व संवाद दल की कमांडर के रूप में सेवाएँ प्रदान कीं। इस अवधि में, उन्होंने लैंगिक समानता, महिला शिक्षा, रोज़गार, स्वास्थ्य, यौन हिंसा समेत अनेक अहम क्षेत्रों में जागरूकता के लिए प्रयास किए और कुछ ऐसे समाधान पेश किए जिनसे ज़मीनी बदलाव लाने में मदद मिली। उन्हें 'लैंगिक सैन्य पैरोकार' पुरस्कार मिला। भारत में ऐसी हजारों महिलाओं की कहानियां हैं जो गांवों में हैं। सरपंच के रूप में काम करके महिलाओं ने भारत को सशक्त बनाया है। भारत को मजबूती प्रदान कर गतिशील बनाया है। आन्ध्र प्रदेश की कुनुकू हेमा कुमारी, त्रिपुरा की सुप्रिया दास दत्ता, राजस्थान के झुंझनू ज़िले में एक सरपंच नीरू यादव ऐसे ही उदहारण हैं जिन्होंने सरपंच की अहमियत को बताया है। मार्च 2021 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू की रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि दुनिया भर की संसदों में, महिला सांसदों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक हो गई है। यह आँकड़ा ऐतिहासिक है, लेकिन संसदों में लैंगिक समानता हासिल करने का लक्ष्य अब भी दूर है। एशिया में, और ख़ासतौर पर भारत में भी, नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ी है, लेकिन अभी और अधिक साहसिक क़दम उठाए जाने की ज़रूरत है।

अब देश में नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे सूत्र से नारियों के सशक्तीकरण का हमने संकल्प ले लिया है तो नए चुनाव के संपन्न होने के बाद भारतीय महिलाएं अपनी प्रतिभागिता की ओर बहुत उम्मीद लगायी हुई हैं। वे चाहती हैं कि देश में हमारी सम्पूर्ण क्षमता का लाभ प्राप्त हो। देश हमारे योगदान से अपनी आत्मशक्ति को ज्यादा सशक्त महसूस करे। देश में हमारा अवदान सुनिश्चित हो। हम देश के लिए कुछ करें। यह देखने वाली बात होगी कि नई सरकार जब बनती है तो महिलाओं को कितना सम्मान देकर उनकी प्रतिभागिता को नई सरकार सुनिश्चित करती है। जो भी हो यदि देश में पर्याप्त स्त्री भागीदारी की हम बात सच में करते हैं तो आने वाले समय में स्त्रियाँ यह मान चुकी हैं कि यह नई सरकार के लिए परीक्षा की घड़ी है। वे यह भी सुनिश्चित कर चुकी हैं कि उन्हें देश के लिए काम करना है और देश को पर्याप्त सशक्त बनाना है।

मुद्दा

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

धर्मस्थलों के अतिक्रमण हटाने में देखने में आया सांप्रदायिक सौहार्द्र

अक्सर हमारे राजनेता या प्रदेश प्रमुख हिंदु एवं मुस्लिम संप्रदायों से जुड़े मंदिर एवं मस्जिदों के अतिक्रमण हटाने से भयभीत दिखाई देते हैं। इनके पीछे उनकी स्वयं की धार्मिक भावना एवं आस्था तो होती ही है, कहीं सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ न जाए, इसका डर भी मन में रहता है। अतएव ज्यादातर मुख्यमंत्री ऐसे अतिक्रमणों को हटाने से बचते हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने अनेक धार्मिक स्थलों एवं भू-माफियाओं के अतिक्रमण हटाकर एक मिसाल पेश की है। अब ऐसा ही उदाहरण मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में पेश किया है। उन्होंने उज्जैन के केडी मार्ग चैड़ीकरण में आ रही बाधाओं को दूर करने में दृढ़ निर्णय के साथ सभी धर्मावलंबियों और शासन के बीच सामंजस बिठाकर इन अतिक्रमणों को हटाने का अनूठा उदाहरण पेश किया है। कुल 18 धार्मिक स्थलों के अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं। इनमें 15 मंदिर, 2 मस्जिद और एक मजार शामिल हैं। इन्हें पीछे करने या अन्य स्थल पर स्थापित रजामंदी से किया जा रहा है। जो भी धार्मिक स्थल विस्थापित किए जा रहे हैं, उन्हें प्रशासन अपने-अपने धार्मिक विधि विधान से प्रशासन के जरिए स्थापित कराएगा। जिन भवनों के अतिक्रमण हैं, उन्हें भवन मालिक स्वयं हटा रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव पूरी तरह धार्मिक हैं, लेकिन उनमें धर्मजन्य मिथकीय जड़ता नहीं है। जब वे मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने इस पद पर असीन होने के बाद पहली बार उज्जैन में रात बिताने का निश्चय किया था। इस खबर के फैलने के बाद कथित धर्म के प्रचारकों ने प्रश्न उठाया कि राजा महाकाल की नगरी की परिधि में कोई दूसरा राजा या मुखिया रात बिताएगा तो उसे महाकाल के आक्रोश से पद गंवाना पड़ सकता है। इस पर मुख्यमंत्री यादव ने सार्थक टिप्पणी करते हुए कहा था, 'मैं तो उज्जैन का ही निवासी हूं और महाकाल भगवान की शरण में ही रहा हूं। आज मेरी जो भी राजनीतिक व अन्य उपलब्धियां हैं, वह उन्हीं की कृपा और आशीर्वाद से हैं। भगवान महाकाल का दायरा कोई उज्जैन नगर निगम तक सीमित नहीं है। वे विश्व के कण-कण में व्याप्त हैं। अतएव उन्हें

मुझे दंडित करना होगा तो उज्जैन नगर की सीमा से बाहर भी दंडित कर सकते हैं। इसलिए मैं उन्हीं की शरण में उज्जैन में रात बिताऊंगा और मुझ पर उनकी कृपर भी रहेगी।' हम सब जानते हैं कि मोहन यादव ने उज्जैन में रात बिताई और महाकाल की उन पर कृपा बरसती रही।

इसी विश्वास का परिणाम है कि वे आज उन तीर्थयात्रियों के लिए उज्जैन में सुलभ मार्ग बना रहे हैं, जिनकी संख्या महाकाल लोक के निर्माण के बाद निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में एक उदार और जवाबदेही शासक का दायित्व बनता है कि वह भोले शंकर के दर्शन हेतु जितने सरल उपाय हो सकें, उन्हें क्रियान्वित करें, यह काम इसी दृष्टिकोण के मद्देनजर किया जा रहा है। साफ है, जब केडी मार्ग का चौड़ीकरण पूर्ण हो जाएगा, तब दर्शनार्थी तो उसका लाभ उठाएंगे ही, प्रशासन को भी व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। अन्यथा हम देख रहे हैं कि सकरे मार्गों पर ज्यादा भीड़ बढ़ जाने के कारण कई लोग दम घुट जाने से बेमौत मारे जाते हैं। धार्मिक यात्राओं में श्रद्धालुओं का इस तरह से मारे जाने की घटनाएं निरंतर देखने में आ रही हैं। धार्मिक नगरों में मार्गों का चैड़ा होना इसलिए भी जरूरी है, कि कहीं यदि किसी होटल या अन्य भवन में आगजनी की घटना घट जाती है तो चौड़े मार्गों से सुरक्षादलों और फायरबिग्रेड को मौके पर पहुंचने में बाधा सामने नहीं आती। यदि समय पर ये दोनों सुविधाएं घटनास्थल पर उपलब्ध हो जाती हैं तो भवन में फंसे लोगों के प्राण तो बचा ही लिए जाते हैं, आग पर नियंत्रण भी जल्द हो जाता है। इसलिए आग आसपास के इलाकों में नहीं फैल पाती। अतएव मार्गों के चौड़ीकरण में मंदिर या मस्जिद जैसी बाधाएं आती हैं तो उन्हें उज्जैन की तरह ही समन्वय व सौहार्द्र से हटा लेना चाहिए।

अतएव इस परिप्रेक्ष्य में हमें मुख्यमंत्री मोहन यादव जैसी धार्मिक-सांस्कृतिक चेतना और रुढ़िवादी जड़ताओं को तोड़ने वाले दृढ़ निश्चयी प्रतिनिधियों की मध्यप्रदेश में ही नहीं पूरे देश में जरूरत है। यदि ऐसे नेता जागरूकता और समन्वय की स्थापना के लिए सामने आएंगे तो उनसे पवित्र एवं सात्विक सांस्कृतिक परंपराओं के बीच पनपे अंधविश्वासों को दूर करने की भी अपेक्षा की जा सकेगी। जिससे मानव समुदायों में तार्किकता का विस्तार हो और इसी के फलस्वरुप वैज्ञानिक चेतना संपन्न समाज का निर्माण हो। ऐसी चेतना का निर्माण होगा तो धर्म या धर्मस्थल जनहितैषी कार्यों में बाधा नहीं बन पाएंगे।

कटाक्ष

प्रदीप औदिच्य

सरकारी दफ्तर की आलपिन

दफ्तर में आज ये खबर सोशल मीडिया के किसी वीडियो से भी तेज वायरल हो गई। खबर ये है कि दफ्तर में आलपिन खत्म हो गई। आप इस पर ना जाएं कि बात कहां की है, बात किसी भी दफ्तर की हो उससे क्या फर्क पड़ता है,सब दफ्तर एक से ही है।

हुआ यूं कि तिवारी जी ,वही अपने आवक जावक वाले उनकी टेबल पर कागज बिखर रहे थे। उन्हें संभालने के लिये आलपिन की जरूरत पड़ी,वहीं बैठे बैठे उन्होंने आवाज लगाई।

गोविंद,अरे भाई ,पानी की बोतल भर दे,और स्टोर से एक आलपिन की डिब्बी ले आ।गोविंद जो कि,दफ्तर से ज्यादा समय, साहब के घर पर मेमसाब की सेवा में देता था, वो,दफ्तर के लोंगो को तो टेंकर का पानी मानता था..और खुद को आरओ।

गोविंद उठा और स्टोरकीपर तक 30 कदम ऐसे चला,मानो दक्षिण कोरिया से उत्तरी कोरिया तक जाना हो । स्टोर कीपर सेंगर साहब ,जो कल से इस बात से परेशान थे,कि स्टेशनरी सप्लायर, पिछले महीने के बिल का पेमेंट ले गया और हिसाब नहीं कर रहा, आलपिन मांगते ही भड़क उठे, 'आलपिन खत्म हो गईं।'

अचानक हुई, इस घोषणा से पूरा दफ्तर सन्न रह गया। सरोज मेडम,तो मन ही मन मुस्कुराई, हाथ मे उठाई फ़ाइल को ज्यों का त्यों रख दिया। अब काम कैसे हो ,दफ़्तर में आलपिन खत्म हो गई।तिवारी जी की टेबल से कागज उड़ने लगे,गुप्ता जी के पास जमे ठेकेदार ने भी ये अधिकृत घोषणा सुनी थी। वह बोला..आलपिन मैं मंगवा दूं।गुप्ता जी ने कहा खबरदार,अगर सरकार को इतना गरीब समझा तो,क्या सरकार तुम्हारे भरोसे चल रही है,लोग क्या समझेंगे,सरकार आलपिन भी नही खरीद पा रही।गुप्ता जी बोले हम अपने घर मिक्सी मंगवा सकते हैं,क्यों कि हम गरीब है,सरकार नहीं।

आलपिन खतम होने की बात साहब तक पहुँची।

स्टोर कीपर को तलब किया।साहब ने कहा ,स्टेशनरी दुकान से मंगवा लो बिल लगा देना। स्टोर कीपर बोला,स्टेशनरी का टेंडर, खत्म हो गया,नए टेन्डर के लिये जॉइन डायरेक्टर से परमिशन लेना पड़ेगा।साहब ने कहा नोटशीट बना कर लाओ,परमिशन मांगो।

स्टोर कीपर,मुस्कुराते हुए बाहर आया।अभी का स्टेशनरी सप्लाई वाला। बहुत नखरे बता रहा था,ज्यादा बिल देने में तस्ज्ञ का रोना रोता था।अब उस पड़ोस के दुकानदार को मौका देंगे, जो हिसाब टाइम से करेगा।

नोटशीट चली,बड़े बाबू से होती हुई, साहब तक। चलिये,ये तो ठीक है,दफ्तर का काम ?

कैसा काम,जब आलपिन ही नहीं है,जो कागज को जोड़कर रख सके, तो दफ्तर को कौन जोड़ेगा।

एक नोट के साथ चार दिन बाद परमिशन भी आ गई,

'नोट -आलपिन खरीद के टेंडर अखबार में विज्ञप्ति जारी कर ही खरीद की जावे।'

सरकार बहुत सख्त है,हर खरीद को पारदर्शिता के साथ करना चाहती है।

स्टोर कीपर,का साला जो कि,एक स्थानीय अखबार का मालिक,संपादक, प्रतिनिधि, प्रकाशक सब कुछ था ।अपने जीजा जी को 6 महीने से विज्ञापन की उलाहना दे रहा था,प्रकट हो गया । उसके अखबार में विज्ञापन जारी किया।आलपिन क्रय के,कुटेशन मंगवाये गए,जिसमें क्वालिटी, साइज,कंपनी की पूरी जानकारी हो।

चलिये,ये तो ठीक है,दफ्तर का काम?

अरे ,यार फिर वही बात..सरकार आपके हिसाब से नहीं चलेगी,नियम से चलेगी।

अखबार का बिल था 1000 रुपये चेक़ भी बन गया ।

देखा,आप कहते हो काम जल्दी नहीं होता,एक ही दिन में हुआ ना काम,बिला वज़ह कर्मचारियों को बदनाम मत किया करो।

स्टोर कीपर,जब आज घर जा रहा था,तो स्टेशनरी सप्लायर रास्ते मे मिल गया,साथ में चाय पी,पुरानी बातें निपटाई,और कहा,क्या है ये ,नया टेंडर।

हिसाब के साथ बाबूजी का गुस्सा शांत हो चुका था।

आज स्टोर कीपर जब स्टोर में घुसकर,(कभी कभार तो वह स्टोर के अन्दर जाते है) अलमारी में कुछ ढूंढ रहा था,तब अचानक ,वह चौक पड़ा। ये क्या? आलपिन के 10 बड़े डिब्बे !

साहब को सारी स्थिति समझाई । ये भी बताया अगर अभी आलपिन खरीद की,तो ऑडिट में परेशानी होगी।

विचार किया बड़े बाबू ने कहा,फंस जाएँगे साब, टेंडर निरस्त करो।

अखबार वाले साले साब,याद किये गये। दूसरे दिन अखबार में टेन्डर निरस्ती की विज्ञप्ति, और साथ मे 1000 रुपये के बिल के साथ वो हाज़िर थे। फिर तेजी से काम हुआ,नोटशीट बनी..चेक़ बना।

लो,आप फिर पूछोगे, दफ्तर का काम ?

तो, वो हो रहा है ना,आज से काम ही तो होगा।

फटाफट ,आलपिन ,सब के टेबल पर थी,और फटाफट काम चालू हो गया ।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

रामविलास जांगिड़

लेखक व्यंग्यकार हैं।

चालू सियासत में झूठ के मजे

सच सुनने का मजा तब आता है, जब यह पहले से पता हो कि यह झूठ ही होगा। अगला उस झूठ को सच कहकर लफ्फाजी कर रहा होता है, तब तो आनंद ही आ जाता है। चालू रोकड़ा राजनीति में इसी तरह के मजे हो रहे हैं। आम मतदाता खिलखिला कर हंस रहा है।

बल्कि पेट पकड़ कर, टांगे फेंक कर श्रृंखलाबद्ध हंसता ही जा रहा है। सियासी पार्टियों ने हंसने-हंसाने की सारी व्यवस्था कर रखी है। इधर हंसने का नया ट्रेंड आया है। पहले लोग बुक्के फाड़ कर रोते थे, अब बुक्के फाड़ कर हंस रहे हैं। हंसते-हंसते ही फंस रहे हैं। जमीन में धंस रहे हैं। सबको पता है कि ये झूठ है। चुनावी सभा का मतलब ही होता है झूठ का महासमंदर !

वही एक गीत गा रहा है। गरीबी को हटा देंगे। सड़कें चोड़ी-चपाट बना देंगे। हर घर में पानी के बंबे ला देंगे। चौबीसों घंटे बिजली आपके हाथों में थमा देंगे। हर व्यक्ति को रोजगार दे देंगे। सबको सरकारी नौकरियां। सबको सरकारी आरक्षण। क्या मजेदार झूठ उछल रहे हैं। सुनने में बहुत बड़ा मजा आ रहा है। एकदम झूठ का पूरा बाजार सजा हुआ है। सच तो यह है कि सच कुछ भी नहीं है और झूठ तो यह है कि पूरी दुनिया में झूठ ही झूठ है। झूठे ने झूठे से कहा आओ मिलकर के सच बोलते हैं। सच की मंडी में झूठ का बिजनेस खोलते हैं।

शेर और खरगोश ने मिलकर सच की मंडी में झूठ का व्यापार खोला। चुनाव काल में दलदल पार्टी का एक शेर, रबड़-दल के आलाकमान खरगोश से मिला। सियासती खरगोश ने शेर से कहा, 'मैं तुमसे तेज़ और दक्ष हूं, मैं इतना तेज़ हूं कि अगर मैं चाहूं तो उछलकर सूरज को मुंह में खा जाऊं। चाहो तो वोट करा लो।'

शेर ने खरगोश की बातों पर विचार कर कहा, 'ठीक है, हम दोनों उछलते हैं। लेकिन एक शर्त पर।' 'शर्त क्या है?' खरगोश ने पूछा। 'तुम्हें मुझसे पहले अपना चुनावी संकल्प पत्र दिखाना होगा। चुनावी घोषणा पत्र हवा में लहराना पड़ेगा,' शेर ने कहा। खरगोश ने तुरंत ही जंगल के पचास सबसे खूंखार गधे मंगवाए। उन गधों के दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे सभी तरह के चुनावी वादे पत्र, चुनावी संकल्प पत्र, चुनावी घोषणा पत्र आदि लदे हुए थे।

इन वादे घोषणा पत्रों ने खरगोश के तुरंत ही पंख लगा दिए और वह सूरज की ओर हवा में उड़ने लगा। कहानी खतम पैसा हजम !

गजब के सीन दिखाई दे रहे हैं। शेर ने पानी की प्याऊ खोली है। वह बकरी के लिए माइक में चीख रहा है- 'बकरी मैया ! आ जाओ। ठंडा पानी पी जाओ। एसी का ठंडा पानी ! यह है बढ़िया वाला झूठ ! सच कह कर उछल कूद मचा रहा है। नेवले ने सांप को भी यही कहा- 'आजा मेरे भैया मिलकर अपन इस चूहे को पकड़ते हैं।' सांप और नेवला आपस में मिल गए हैं। दोनों का ग-ठगबंधन हो गया है।

कह रहे हैं कि सामने जो चूहा दिखाई दे रहा है, उसको हम पकड़ के खा जाएंगे। इसलिए हे सांप भाई ! मेरे पास आ जाओ। सांप के अंदर गुदगुदी सी मच रही है। कुछ डर सा लग रहा है, लेकिन वह नेवले से पूंछ मिलाने को आतुर है। सांप और नेवले का महाठगबंधन कह रहा है- 'आपस में कभी नहीं लड़ेंगे। हम मिलकर रहेंगे। हम देश के चूहों को बाहर भगा देंगे। देश को चूहों से आज़ादी दिलाएंगे।' मजेदार झूठ चल रहा है। कुर्सी का सपना पल रहा है। हंसी के मारे पेट में बल पड़ रहा है।

300वी जयंती पर विशेष

अमित राव पवार

लोकमाता अहिल्या बाई होलकर: आदर्श शासक, महान नारी

विश्व हो या भारत इतिहास के पन्नों पर राजा से ही रानी की पहचान को देखा गया है, लेकिन कुछेक रानियों ने अपनी एक अलग पहचान बनाकर अपने दो (पिता व पति का घर) वंश-परिवार को विश्व विख्यात किया है। उन्हीं में से एक प्रमुख नाम लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का है। जिन्होंने समाज की बेड़ियों को तोड़ स्वयं की एक अलग पहचान बनाई। मालवा के इंदौर में होलकर परिवार की पुत्रवधू अहिल्याबाई प्रसिद्ध मराठा शासकों में से एक शासक के रूप में रही। वे बहादुर, दूरदर्शी, जनहितैषी, बुद्धिमान आध्यात्मिक, विदुषी थी। अपने ससुर श्रीमंत महाराज मल्हार राव होलकर तथा पति खांडेराव की मृत्यु के पश्चात 11 दिसंबर 1767 से इंदौर का शासन संभाला। ब्रिटिश इतिहासकार जॉन किए ने इन्हें 'द फिलॉस्फर क्वीन' के शब्द से सम्बोधित किया। वे मालवा की शासक उग्र रानी और कुशल प्रशासक होने के साथ एक समझदार राजनीतिज्ञ भी थी। जब मराठा पेशवा अंग्रेजों और उनकी योजनाओं को समझ न सके तब इन्होंने पेशवा को आगाह किया था। संसार में जो भी प्रसिद्ध स्थान है। उनकी ख्याति अथवा प्रसिद्धि के कुछ ना कुछ महत्वपूर्ण कारण होते हैं। जहां प्राचीन इतिहास हमें गर्व का अनुभव कराता है। वहीं प्राचीन स्थान और जगह हमें सैकड़ों वर्षों के बाद भी वहां की संस्कृति, सभ्यता, इतिहास, पहचान आदि का परिचय करवा रहे हैं। जैसे श्री राम की अयोध्या, कृष्ण की मथुरा। दुख है कि इन नगरों में बोलने की शक्ति नहीं है,यदि होती तो यह अपने दुख,कष्ट और परिवर्तनों का इतिहास हमें बताते। इन्ही में से एक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का इंदौर शहर,जो मध्यप्रदेश राज्य के कार्य का मानो केंद्र बिंदु है।

अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 ईस्वी में अहमदनगर जिले के तालुका जामखेड़ के चौड़ी नामक गांव में रहने वाले मांकोजी शिंदे के यहां जगप्रसिद्ध कन्या रत्न के रूप में हुआ। यह समय वह था जब पढ़ाई-लिखाई का सामान्य परिवारों में चलन न के बराबर था। पर आपके पिता ने आपको थोड़ा अध्यापन करवाया। आप बचपन से ही ईश्वर-पूजन- पाठ तथा पुराण का वाचन न हो जाए तब तक भोजन ग्रहण नहीं करती थी। आपकी मृत्यु 13 अगस्त 1795 को हुई। आपका कुल शासन 30 वर्षों का रहा। जो आपने अपने सामर्थ के बल पर किया। (1 दिसम्बर 1767 से 13 अगस्त 1795 तक) अपनी सूझबूझ तथा हिम्मत के बल पर आपने अपने राज्य को ताकतवर बनाया और दुनिया को उस समय दिखाया की महिलाएं भी पुरुष से कम नहीं और बराबर कदमताल कर सकती है। जबकि वह दौर पति की मृत्यु के बाद सती होने का था,पर अहिल्याबाई ने अपनी 16 करोड़ की विरासत पर पास के राज्य और किसी विरोधियों का कब्जा नहीं होने दिया। यह बात आपके व्यक्तित्व पर ओर अधिक प्रभाव डालती है। आपकी दृष्टि अत्यंत व्यापक थी पर्यावरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया इसके साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए नई परंपराओं का सूत्रपात किया। लोगो के पास जाकर उनके दुख- दर्द परेशानियों को स्वयं अनुभव कर सुना, तथा जरूरत के आधार पर पर्याप्त सहायता के आदेश दिए।आपने न सिर्फ अपने राज्य में बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष में लगभग 65 मंदिर, धर्मशालाओं का निर्माण करवाया। साथ ही साथ सड़कें,तालाब,घाट,कुँए, बावड़िया,पानी की टँकी को सुविधाओ के साथ बनवाया।

9 वर्ष के अपने पुत्र मालोजी की मृत्यु के बाद आपने इंदौर से महेश्वर को अपनी राजधानी बनाया और वही से राज्य का कार्य करते हुए। दूरस्थ अमरकंटक, केदारनाथ, बद्रीनाथ, रामेश्वरम, अयोध्या, पुष्कर, मथुरा, काशी, हरिद्वार आदि स्थानों पर धर्मशालाएं बनवाई, उज्जैन में 9 मंदिर और 13 घाट का निर्माण आपके नाम से है। देवालय और सांस्कृतिक धरोहरों के नवनिर्माण का साहसिक कार्य किया आपका योगदान ऐतिहासिक है। आपकी सोच एक राज्य तक ही सीमित नहीं थी। आपका विचार संपूर्ण मानव कल्याण का था। कर्तव्य पालन धार्मिक एवं समाजसेवी होने से आपका नाम लोकमाता अहिल्याबाई हुआ। आपने भारत के गौरव को बढ़ाया संपूर्ण जीवन दुख, संघर्ष, संकट समय के बीच ईश्वर की इच्छा के अनुरूप अपना कार्य किया। आपका जीवन प्रेरणादाई है। आपने सामाजिक क्रांति की। आप न्याय प्रशासन तथा वीरता की मिसाल है। आपने अपनी आत्मशक्ति के बल पर लोक कल्याण का कार्य किए। आपकी न्याय क्षमता राज्य व्यवस्था आधारित थी युगों युगों तक आदर्श शासक महान नारी : लोकमाता देवी श्री अहिल्या बाई होलकर को लोग स्मरण करते रहेंगे।

आपने सामान्य परिवार में जन्म लेकर बाल्यकाल से ही जन के दर्द को समझने का प्रयास किया सेवा भावना के आपके जीवन में अनेकों उदाहरण है। अहिल्या बाई होल्कर ने महिलाओं की सेना बनाई थी संग जगह-जगह पर मंदिर, जलस्त्रोत, अन्नक्षेत्र आदि आरंभ करवाए। आपने अपनी शक्ति तथा बुद्धिमत्ता,ताकत से एक मिसाल पेश की आपका जीवन तीन सौ वर्ष पूर्व स्त्री सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण है। मध्यप्रदेश शासन आपके नाम से समाज में अग्रिम भूमिका निभाने वाली महिला को सम्मान पत्र व नगद राशि का पुरुस्कार देता है। आज भी आपको जनमानस आदर के साथ राजमाता अहिल्याबाई होलकर से सम्बोधित करते है।

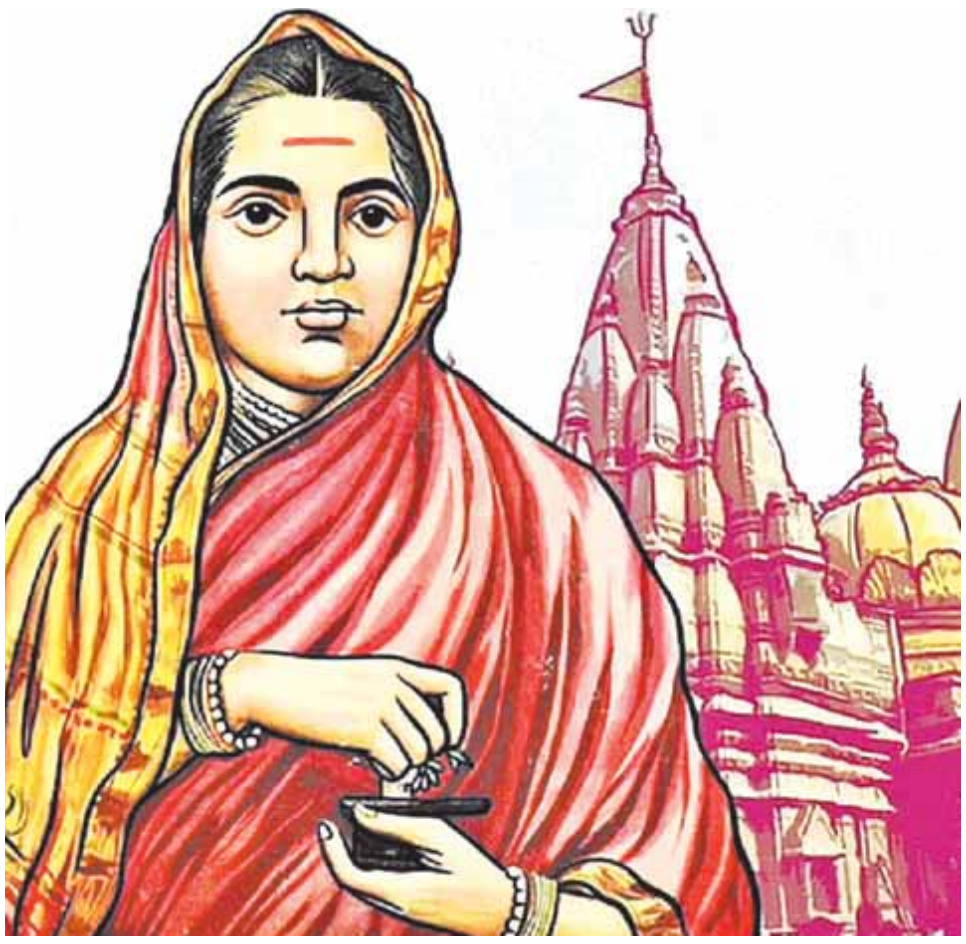

निर्मल आनंद

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

खास-ओ-आम

शेक्सपियर ने ठीक ही कहा है कि नाम में क्या रखा है? देखिए न, नाम तो है आम, लेकिन हैं खास! जी हाँ! फलों के राजा की बात हो रही है। रूप, रस,झ्र गंध और स्वाद, आम की हर बात खास होती है। धरतीवासियों की जिह्वा को रसाप्लावित करने के लिए फल श्रेष्ठ रसाल ने भारतीय उपमहाद्वीप में जन्म लिया। यहीं से उन्होंने पूरी दुनिया में अपनी धाक जमाई। आम में राजा बनने के सभी गुण मौजूद हैं। वे सुदर्शन, सुगठित, स्वादिष्ट, लोकप्रिय, हितकारी और सर्वगुणसंपन्न हैं। मधुरता तो उनमें कूट-कूट कर भरी है। उनके पास शारीरिक, मानसिक और पौष्टिक फायदों की बढ़िया फौज है जो किसी भी दूसरे फल को मात दे सकती है। लोगों के स्वाद का इतना प्यार पाने के लिए रसाल को संस्कृत भाषा के आम्र से आम और मलयालम के मन्ना से मैंगो तक का लंबा सफर तय करना पड़ा है। आम ने मुहावरों से अपनी गुठलियों के दाम भी बखूबी वसूले हैं। दरबार-ए-आम और दरबार-ए-खास के पीछे किसका हाथ होता है भला? आम इंसान ही किसी को खास बनाता है। खास बात को आम होने से डर लगता होगा कि नहीं? कितने काम खुलेआम नहीं किए जा सकते?

आम की परोपकारी भावना जगजाहिर है। उसे चूसा जाता है, कूट कर चटनी बनाई जाती है, काटकर खाया जाता है, सुखाकर अमावट और अमचूर बनाते हैं, रस को निचोड़ लिया जाता है, तेल और मसालों में लपेटकर अचार डालते हैं फिर भी आम उफ तक नहीं करता। लोगों की जुबान को खुश करने के लिए सारी तकलीफें चुपचाप सह लेता है। यह शोध का विषय हो सकता है कि अपने गुणों के कारण इंसानों को आम विशेषण मिला या लोगों की मजबूरी ने आम का नामकरण किया।

आम की उपयोगिता भी कम नहीं। उसकी पत्तियों से बना बंदनवार पूजा में काम आता है। बौराना शब्द आम की बौर की उपज है। बसंत पंचमी में शिव जी की पूजा आम की बौर के बिना संपन्न नहीं होती। आम की लकड़ी का फर्नीचर बनता है और हवन की समिधा भी। अमराई से गाँव की प्रतिष्ठा बढ़ती है। यूँ तो पेड़ों की छाया सुखद ही होती है लेकिन आम की छाँव की ठंडक का आनंद अलग होता है। आयुर्वेद में आम के पेड़ की छाल, जड़, पत्ते, फूल और फल को रोगों के इलाज में गुणकारी बताया गया है। आम प्रेम करने वालों की हमेशा मदद करते हैं। 'शोले' में बसंती को वीरू से नजदीकी बढ़ाने में आम ने कितनी सहायता की थी, याद है न? वीरू की बंदूक का निशाना तक बनना पड़ा था बेचारे परोपकारी आम को। कच्ची केरियों ने फिल्मों में हीरोइन के उम्मीद से होने की सूचना दर्शकों तक पहुँचाने का महती दायित्व बखूबी निभाया है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार कामदेव ने आम के वृक्ष पर चढ़कर भगवान शिव पर अपने बाणों का प्रहार किया था जिसमें एक तीर आम के फूलों का था। प्रसंग यह है कि तारकासुर ने वरदान प्राप्त कर लिया कि उसका वध शिव जी के पुत्र द्वारा ही होगा। शंकर जी की अर्द्धांगिनी सती आत्मदाह कर चुकीं थीं। शिव जी समाधि लगाए हुए थे। जब तक महादेव का विवाह नहीं होता तब तक उनके पुत्र होने की संभावना नहीं थी। इसी बात का लाभ उठाकर अजेय तारकासुर घोर अन्याय करने लगा। तब देवताओं द्वारा शिव जी की समाधि भंग कर विवाह हेतु राजी करने का कार्य कामदेव को सौंपा गया। मनोज ने अपने प्रभाव का उपयोग किया किंतु भोलेनाथ पर कोई असर नहीं हुआ। तब, कामदेव को अपने धनुष से बाणों को चलाना पड़ा। मदन का धनुष गन्ने का और प्रत्यंचा मधुमक्खियों के शहद की होती है। काम के चाप में मारण, स्तंभन, जृम्भण, शोषण और उन्मादन नामक अशोक, सफेद नीले कमल, चमेली तथा आम के पुष्पों के पाँच बाण होते हैं। शेष कथा सभी को ज्ञात है कि शिव जी क्रुद्ध हो तीसरा नयन खोलकर कामदेव को भस्म कर देते हैं। रति की प्रार्थना पर कामदेव को पुनः जन्म लेने का वरदान देते हैं। कालांतर में शंकर भगवान और देवी पार्वती का विवाह होता है, कार्तिकेय स्वामी का जन्म होता है और वे तारकासुर का संहार करते हैं। अब तो कोई संदेह नहीं है कि हमारे जीवन में आम अनादिकाल से खास रहा है।

यात्रा वृत्तांत

विनोद नागर

लेखक स्तंभकार हैं।

कभी आतंक का पर्याय रहा जंगल अब बना सैरगाह

वीरप्पन- यह नाम आज से कई दशक पहले तक दक्षिण भारत के जंगलों में आतंक का पर्याय हुआ करता था। कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के घने जंगलों में चंदन तस्कर के रूप में इस दुर्दांत आतंकवादी के बोलबाले और दहशत की लोकहर्षक कहानियां फिज़ा में गूंजती थी। अब न वीरप्पन रहा न जंगल में उसका खौफनाक दबदबा। शायद इसीलिए अब वन विभाग ने जंगल लॉज रिसोर्ट्स के जरिए सैलानियों को वहां बेफिक्र होकर पहुंचने तथा रात्रि मुकाम करने के अवसर मुहैया करा दिए हैं।

कर्नाटक के चामराज नगर जिले में गोपीनाथम नामक एक सीमावर्ती वन ग्राम है। मगर इसकी एक पहचान वीरप्पन की जन्मस्थली के रूप में भी है। इसी गांव के नाम पर मैट्टूर डैम के पास कावेरी अभ्यारण्य में कर्नाटक के वन विभाग द्वारा संचालित 'गोपीनाथम मिस्ट्री ट्रेल्स कैम्प' नामक जंगल लॉज एण्ड रिसोर्ट्स में सपरिवार रुकने का अवसर प्राप्त हुआ। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर सहित यहां टेंट में रुकने का पैकेज ट्विन शेयरिंग आधार पर मात्र ढाई हजार रुपए प्रति व्यक्ति/ प्रति दिन है। घने जंगल में टेंट में रात्रि मुकाम वैसे भी एक अलग अनुभूति कराने वाला होता है। बेंगलुरू से गोपीनाथम मिस्ट्री ट्रेल्स कैम्प की दूरी करीब ढाई सौ किमी है। सड़क मार्ग से यहां तक पहुंचने के लिए होसुर, कृष्णागिरी, सेलम, मैट्टूर होकर करीब दो सौ किमी का सफर तमिलनाडु में करना पड़ता है। हाईवे छोड़ दाहिनी ओर मुड़कर मैट्टूर की तरफ बढ़ते ही ऊंचे पहाड़ों के बीच से गुजरती कावेरी नदी के सान्निध्य में यह सुहाना सफ़र यात्रा की सारी थकान दूर कर देता है। कावेरी नदी के एक किनारे पर तमिलनाडु के वन विभाग का थानथाई वन्य जीव अभ्यारण्य है और दूसरे किनारे पर कर्नाटक के वन विभाग का कावेरी वन्य प्राणी अभ्यारण्य है। गोया कि कावेरी ही प्रकारांतर से दोनों राज्यों की न केवल विभाजन रेखा, बल्कि जीवन रेखा भी है। गोपीनाथम मिस्ट्री ट्रेल्स कैम्प पहुंचते ही नींबू पानी के वेलकम ड्रिंक से सैलानियों का स्वागत होता है। जेएलआर में रजिस्ट्रेशन की औपचारिकता के बाद वहां का स्टॉफ आवंटित टेंट में सामान पहुंचाकर अतिथियों से फ्रेश होकर बिना समय गंवाए लंच के लिए पधारने का आग्रह करता है। टेंट एरिया में भोजनोपरान्त एक डेढ़ घंटे के विश्राम के बाद शाम चार बजे जीप से जंगल सफारी के लिए ले जाया जाता है। डेढ़ दो घंटे की यह जंगल सफारी वाकई बड़ी रोमांचक होती है और वन्य जीवन से अद्भुत साक्षात्कार कराती है। इस जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को एक भावनात्मक प्रसंग की अनुभूति भी होती है, जब वे शहीद पी श्रीनिवास नामक जांबाज़ फॉरेस्ट ऑफिसर के स्मारक पर पहुंचते हैं। यह वही स्थान है, जहां 1991 में वीरप्पन ने कर्तव्यनिष्ठ आईएफएस अफसर पी श्रीनिवास की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी थी। पी श्रीनिवास वो पहले अफसर थे जिन्होंने 1986 में वीरप्पन को गिरफ्तार किया था, लेकिन फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में पूछताछ के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में वह चकमा देकर रहस्यमय ढंग से फरार हो गया था। डिप्टी कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट श्रीनिवास ने कालांतर में भी वीरप्पन के आत्म समर्पण के अपने प्रयासों को जारी रखा, मगर इसकी परिणति बदले की आग में धधकते वीरप्पन के क्रोध की ज्वाला से हुई। दुर्दांत वीरप्पन ने आत्म समर्पण के लिए चर्चा के बहाने श्रीनिवास को नाले के किनारे बगैर किसी सुरक्षा के बुलाया और निहत्थे श्रीनिवास की नृशंस हत्या कर दी। उसी स्थान पर यह स्मारक बनाया गया है।

जंगल सफारी से लौटकर जेएलआर में चाय- बिस्किट के उपरांत टेंट एरिया के नीचे स्थित रमणीय झील में बोटिंग कराई जाती है। इस नौका विहार में पैडल बोट और कयाकिंग सहित कोरेकल (गोल नाव) राइड का आनंद लिया जा सकता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच घुमड़ती काली घटाओं से सारा वातावरण प्रफुल्लित नज़र आता है जिससे ढलती सांझ में नौका विहार का आनंद कई गुना बढ़ जाता है। दिन ढलने पर थोड़े विश्राम के बाद पर्यटकों का समूह मिनी ऑडिटोरियम में फिर एकत्र होता है। यहां उन्हें वन्य जीवन से जुड़ी दिलचस्प डॉक्यूमेंट्री फिल्में दिखाई जाती हैं। भारतीय वन सेवा के शहीद अधिकारी पी श्रीनिवास पर केंद्रित वृत्तचित्र भी देखने लायक है, जिन्हें मरणोपरांत राष्ट्रपति द्वारा शांति काल में दिए जाने वाले दूसरे सबसे बड़े नागरिक शौर्य सम्मान 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया था। टेंट में रात्रि विश्राम के बाद सैलानी अगले दिन सुबह पुनः अपनी इच्छा एवं सुविधानुसार जंगल सफारी, झील में नौका विहार अथवा समीपवर्ती जंगल क्षेत्र में पैदल भ्रमण का आनंद लेकर हैवी ब्रेकफास्ट के उपरांत थोड़ा विश्राम कर दोपहर 12 बजे तक अपनी वापसी यात्रा के लिए प्रस्थान कर जाते हैं।

कलेक्टर व एसपी की एक ही रात में छापामार कार्रवाई से रेत माफिया में मचा हड़कंप

रेत से भरे 10 ओवरलोड डम्पर, एक जेसीबी की जप्त

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरूद्ध बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई से माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा के अनुरूप रेत माफियाओं को पनपने नहीं दिया जाएगा। उनके निर्देशानुसार बुधवार की मध्य रात्रि कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने स्वयं मौके पर जाकर खनिज, पुलिस एवं राजस्व अधिकारियों की संयुक्त टीम के साथ रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन कर रहे डंपरो के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई की है।

खनिज अधिकारी श्री पालेवार ने बताया कि कमिश्नर नर्मदापुरम संभाग द्वारा 28 मई 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन भण्डारण की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये थे। निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से रेत का अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की जांच हेतु बैतूल के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने रेत से भरे 10 ओवरलोड डंपर, अवैध खनन करते हुए एक जेसीबी तथा रेत का अवैध भंडारण होना पाया गया।

शाहपुर और चोपना में रेत से भरे ओवरलोड डंपर जप्त- कलेक्टर व एसपी की अगुवाई में निरीक्षण के दौरान रात्रि 10.00 बजे शाहपुर क्षेत्र में रेत के 03 डंपर ओवरलोड परिवहन करते हुए पाए गए तथा चोपना क्षेत्र में 03 डम्पर पकड़े गए। पकड़े गये वाहन क्रमांक एमएच 27 बीएक्स 5684, एमएच 27 बीएक्स 7201, एमएच 27 बीएक्स 8698 को चोपना थाना में अभिरक्षा में रखा गया है। बैतूल बाजार क्षेत्र में 04 डम्पर एमपी 04 एचई 7037, एपमी 48 जेडी 2899, एमपी 48 एच 1741, एमपी 48 जेडी 5255 ओवरलोड परिवहन करते हुए पाए गए। उक्त सभी वाहनों की वीडियोग्राफी भी की गई।

भड़ंगा नदी में हो रहा था रेत का अवैध खनन

खनिज अधिकारी श्री पालेवार ने बताया कि खनिज रेत अवैध उत्खनन, भंडारण, परिवहन की प्राप्त शिकायत की जांच हेतु खनिज, राजस्व अमला द्वारा घोड़ाडोंगरी क्षेत्र के ग्राम हिरण घाटी चोपना मार्ग स्थित भड़ंगा नदी भूमि खसरा क्रमांक 98 रकबा 5.780 हे. क्षेत्र का संयुक्त रूप से रात्रि 2.30 बजे निरीक्षण किया गया। टीम को अवैध भंडारण होना पाया गया। मौके पर जेसीबी मशीन द्वारा अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा था। ग्राम हिरण घाटी निरीक्षण के दौरान नदी घाट क्षेत्र पर खनिज रेत उत्खनन से निर्मित छोटे-बड़े गड्ढे पाए गए। निरीक्षण दल द्वारा उक्त गढ़ों की माप की गई। उत्खनन क्षेत्र से निकली गई खनिज रेत का कुल भाग 1877.80 घन मीटर है। उक्त क्षेत्र के समीप स्थित शासकीय खसरा क्रमांक 41 रकबा 1.130 हेक्टेयर के अंश भाग पर खनिज रेत का अवैध भंडारण होना पाया गया। उक्त भंडारित की मात्रा 1320 घन मीटर होना पाया गया। जेसीबी मशीन को जब्त कर उक्त मामले में फुलवेरिया निवासी छोटू बंगाली, निताई मंडल निवासी धरमपुर, मनीष दत्ता निवासी नूतन डंगा के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की गई।

खैरवानी, सारणी में रेत का अवैध भंडारण

टीम द्वारा अल सुबह 4.30 बजे खैरवानी एवं सारणी क्षेत्र में रेत का अवैध भंडारण पकड़ा गया। जिसके संबंध में कार्यवाही हेतु खनिज विभाग द्वारा टीम भेजी गई है। प्रकरणों में एफआईआर करने की कार्यवाही की जा रही है। उक्त सभी प्रकरणों पर मध्य प्रदेश अवैध खनन, परिवहन और भंडारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने चेतावनी दी कि रेत के अवैध उत्खनन के विरूद्ध जिला प्रशासन की मुहिम जारी रहेगी और आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अवयस्क बालिका संग छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को 3 साल का कारावास व अर्थदंड

बैतूल। कार्यालय जिला अभियोजन अधिकारी बैतूल से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अनुसूचित जनजाति की 16 वर्षीय अवयस्क बालिका के साथ छेडछाड़ करने वाले आरोपी को 3 वर्ष का कठोर कारावास एवं कुल 4,000 रूपए के जुर्माने से दंडित किया गया।

माननीय अनन्य विशेष न्यायालय, (पॉक्सो एक्ट) 2012 बैतूल (म.प्र.), ने अनुसूचित जनजाति की 16 वर्षीय अवयस्क बालिका के साथ छेड़छाड़ करने वाले एवं उसे जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी रितेश उर्फ नितेश पिता शिवप्रसाद यादव, उम्र-25 वर्ष, निवासी-थाना आमला, जिला-बैतूल को धारा 7/8 पॉक्सो एक्ट समाहित धारा 354 भादवि, धारा 3(2)(ब)(प) एससी/एसटी एक्ट के अपराध में दोषी पाते हुए 03 वर्ष के कठोर कारावास एवं 4,000रू. के जुर्माना से दण्डित किया गया। प्रकरण में म.प्र. षासन की ओर से जिला अभियोजन अधिकारी श्री एस.पी.वर्मा एवं वरिष्ठ सहायक जिला अभियोजन अधिकारी/अनन्य विषेष लोक अभियोजक श्री ओमप्रकाश सूर्यवंशी द्वारा पैरवी की गई।

प्रकरण की जानकारी देते हुए अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी अमित राय (एडीपीओ) ने बताया कि पीड़ित 16 वर्षीय बालिका ने दिनांक 29-07-2021 को पुलिस थाना आमला में उपस्थित होकर इस आशय का लिखित आवेदन प्रस्तुत किया कि उसकी उम्र वर्तमान में 17 वर्ष है, उसके गांव का रहने वाला आरोपी रितेश यह जानते हुए कि वह अनुसूचित जनजाति की बालिका है, के बावजूद पिछले 01 वर्ष से पीड़िता के पीछे-पीछे आता था। दिनांक 17-10-2020 को सुबह 09:30 बजे हर्राभाटा गांव के आगे जंगल में उसकी सहेलिया आगे चली गयी थी और वह पीछे रह गयी थी, तब आरोपी रितेश पीछे से आया और बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया और बोल रहा था कि तुझे भगा कर ले जाउंगा, तेरी शादी नहीं होने दूंगा। यदि मुझ से बात नहीं की तो तेरे भाई को जान से खतम कर दूंगा। उसके बाद पीड़िता ने अपने भाई को घटना के बारें में बताया। पीड़िता की षिकायत पर आरोपी के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गयी। प्रकरण में आवश्यक अनुसंधान पूर्ण कर अभियोग पत्र माननीय अनन्य विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) बैतूल म.प्र. के समक्ष विचारण हेतु प्रस्तुत किया। अभियोजन ने अपना मामला युक्तियुक्त संदेह से परे प्रमाणित किया, जिस पर माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषसिद्ध पाकर दंडित किया गया।

चारधाम के तीर्थ यात्रियों का पंजीकरण कराना अनिवार्य : कलेक्टर सूर्यवंशी

बिना पंजीकरण के यात्रा प्रारंभ न करें

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि जिले के वे समस्त श्रद्धालु जो चार धाम की यात्रा पर जाना चाहते है, उनके लिए उत्तराखंड सरकार ने अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था प्रारंभ की है। गृह विभाग द्वारा आदेश के अनुपालन में प्रत्येक श्रद्धालु से अनुरोध किया गया है कि बिना पंजीकरण कराए कृपया अपनी यात्रा प्रारंभ नहीं करें। गैर पंजीकृत श्रद्धालु को उत्तराखंड सरकार द्वारा चेक प्वाइंट से आगे जाने की अनुमति नहीं है। गृह विभाग के आदेशानुसार जिन यात्रियों ने यात्रा हेतु पंजीकरण नहीं कराया है। उन्हें धामों की यात्रा की कोशिश नहीं करना चाहिए। ऐसे समस्त यात्रियों को चेक पॉइंट से आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। केवल वे ही श्रद्धालू अपनी यात्रा प्रारंभ करें और उसी तिथि पर यात्रा करें। उसी तिथि पर यात्रा करें जिस तिथि का पंजीकरण है। अन्यथा उन्हें भी यात्रा नहीं करने का अनुरोध है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि बस टूर ऑपरेटर्स और ट्रेवल्स एजेंट को असुविधा से बचने के लिए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके द्वारा बुक किए गए तीर्थ यात्री बिना पूर्व पंजीकरण के यात्रा पर नहीं जाए। सचिव गृह जिला श्री गौरव राजपूत द्वारा चार धाम यात्रियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए है।

नमामि गंगे परियोजना

जल आंदोलन के रूप में करें जल स्त्रोतों का पुर्नउद्धार : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के दिन से 15 जून तक जिले में नदी, तालाबों, बावड़ियों, हैंडपंप, वाटर हार्वेस्टिंग के पुर्नउद्धार कार्यक्रम को एक जल आंदोलन के रूप में मनाया जाए। उन्होंने कहा कि जिले के समस्त गांवों में पंचायतों में जितने जल स्त्रोत है उसकी सूची बना ले। इसमें कितने स्त्रोत 5 वर्ष पुराने है और कितने 5 वर्ष के अंदर के है को सूचीबद्ध कर लें। उसके बाद उनकी साफ-सफाई और गहरीकरण का कार्य प्रारंभ करें।

कार्य योजना बनाकर करें काम- कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि नगरीय प्रशासन, निकाय, पीएचई और जल संसाधन विभाग जो सीधे रूप से जल स्त्रोतों से जुड़े है, के सब इंजीनियर्स ऐसे स्त्रोत चिन्हित कर ले, जिनका पुर्नउद्धार किया जाना है। बावडियों की साफ-सफाई, उनका गहरीकरण, ऐसे हैण्डपंप जो सूख गए है उन्हें रिचार्ज कराएं। जल स्त्रोतों के आसपास की साफ-सफाई कराएं। नदी के गहरीकरण से निकलने वाली गाद के उपयोग पर ध्यान दें। जल स्त्रोतों को बनाए रखने के लिए उनका पुर्नउद्धार किया जाएगा।

प्रतिदिन मनाया जाए जल समारोह- मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अक्षत जैन ने कहा कि 5 जून से 15 जून तक प्रत्येक गांव में जीर्णोद्धार संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसमें प्राथमिकता के आधार पर जल संवर्धन और जल संरक्षण के अपूर्ण कार्यों को पूरा किया जाए। मनरेगा के अंतर्गत निर्मित तालाब जो 5 वर्ष या उससे अधिक पुराने है के जीर्णोद्धार एवं गहरीकरण कराया जाए। पुराने कुएँ, बावड़ियों को मनरेगा पुर्नउद्धार किया जाएगा।

कैचमेंट क्षेत्र का हटाए अतिक्रमण- जन अभियान परिषद की सहभागिता से नदी, तालाबों के कैचमेंट क्षेत्र में अतिक्रमण को सख्ती से हटाया जाकर फीडर चैनल बनाकर जल संवर्धन में वृद्धि की जाएगी। पानी के रिसाव रोकने, पूर्व निर्मित तालाबों की मिट्टी के कटाव को रोकते हुए उसके मूल रूप में पुनर्निर्मित किया जाएगा। तालाबों की बोल्ड दो तथा घाट मरम्मत के कार्य किए जाएगे। चेक डेम और स्टॉप डेम की मरम्मत के कार्य किए जाएंगे। जल संरचनाओं के पास गीला और सूखा कचरा फेंकना प्रतिबंधित है। इस महाअभियान में प्रगतिरत काम जैसे कपिलधारा कूप, खेत तालाब, सामुदायिक तालाब आदि को पूर्ण करने के प्रयास किए जाएं।

गंदे नाले के पानी का शोधन- विश्व पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत जल संरचनाओं में मिलने वाले गंदे पानी के नाले-नालियों में लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना के माध्यम से डायवर्सन के उपरांत शोधित कर जल संरचनाओं को छोड़ा जाएगा। मनरेगा के अंतर्गत निर्मित तालाब जो 5 वर्ष या उससे अधिक पुराने है के जीर्णोद्धार एवं गहरीकरण कराया जाएगा।

पुलिस पेट्रोल पंप पर पुलिस को ही लगा रहे थे चूना, दो गिरफ्तार, तीसरे की तलाश

कई दिनों से चल रहा था पेट्रोल चोरी का धंधा

बैतूल। पेट्रोल टैंकर के ड्राइवर और क्लीनर ने पुलिस को ही चूना लगा दिया। दोनो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जबकि पुलिस पेट्रोल खरीदने वाले को ढूंढ रही है। यह मामला सिविल लाइन स्थित पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पंप का है। इस पंप पर इटारसी डिपो से पेट्रोल टैंकर के जरिए बैतूल भेजा जाता है। पिछले 25 मई को इस टैंकर से पेट्रोल चोरी हो गया। आरआई नवीन सोनकर ने बताया की यह टैंकर जब पेट्रोल लेकर बैतूल पहुंचा तो हर बार की तरह की जाने वाली जांच में उतना पेट्रोल नहीं मिला। जितना इटारसी से भरकर भेजा गया था। वहां से 12 केएल पेट्रोल टैंकर में भरा गया था। जब बैतूल में जांच की गई तो उसमे सौ लीटर पेट्रोल कम था। टैंकर लेकर आने वाले ड्राइवर, क्लीनर से जब पूछताछ की गई तो दोनो ने स्वीकार किया कि उन्होंने रास्ते में एक ढाबे पर सौ लीटर पेट्रोल टैंकर से निकालकर बेच दिया था। इस पर शाहपुर थाने में तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शाहपुर टी आई जयपाल इवनाती के मुताबिक ड्राइवर क्लीनर को जेल भेज दिया गया है। खरीदने वाले की तलाश की जा रही है।

दो गिरफ्तार, तीसरे की तलाश- पुलिस ने इस मामले में टैंकर के ड्राइवर गिरधारी सैनी और क्लीनर अनिल खंडेलवाल को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि पोला पत्थर के मुकेश धुर्वे की तलाश की जा रही है। पुलिस ने गिरफ्तार दोनो ड्राइवर, क्लीनर को गिरफ्तार कर कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया है।

शुद्धता पर सवाल, लॉक सिस्टम फेल- इस मामले के खुलासे के बाद पैट्रोल पंप संचालकों में हड़कंप मच गया है। कड़ी सुरक्षा और लाकिंग सिस्टम के बाद पैट्रोल टैंकरों से पैट्रोल चोरी की घटना सामने आने से पैट्रोल की शुद्धता पर भी सवाल खड़े हो रहे है। सैकड़ो टैंकर रोजाना पेट्रोल के परिवहन में लगे रहते हैं ऐसे में टैंकरों से पैट्रोल चोरी होना और वो भी पुलिस जिस पेट्रोल पंप का संचालन कर रही हो उसमें इस तरह की घटना होना कई सवाल खड़े कर रहे है। बताया जा रहा हैं कि पिछले लंबे समय से टैंकर से पेट्रोल कम निकलने से पुलिस परेशान थी। पहले इन टैंकरों में 5 लीटर के आसपास पेट्रोल कम निकलता था।लेकिन जब सौ लीटर पेट्रोल कम निकला तो चोरी का शक पुख्ता हो गया। टैंकर चालक टैंकर के लॉक से छेड़छाड़ कर घटना को अंजाम देते थे।

बैतूल में मिली हरियाणा की सहेलियां, घर से रुपए लेकर भागी थी नाबालिग, पुलिस के सुपुर्द किया

बैतूल। हरियाणा के सोनीपत की दो नाबालिग को बुधवार को बैतूल से हरियाणा पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। मां बाप की डांट फटकार से नाराज होकर दोनों घर से भाग निकली थी। दोनों घर से रुपए भी चुराकर भागी थी। ये लड़कियां घोड़ाडोंगरी स्टेशन पर लावारिश हालत में घूमती मिली थी। थाना प्रभारी रानीपुर अवधेश तिवारी के मुताबिक उन्हे पुलिस ने रेलवे स्टेशन घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन पर दो नाबालिग के घूमते पाए जाने की सूचना दी थी। जिस पर महिला डेस्क इंचार्ज बसंती शेषकर को भेजकर बालिकाओं को बरामद कर उनसे की गई पूछताछ में दोनो लड़किया हरियाणा की होना बताया था। ये लड़कियां।सोनीपत जिले की है।

मां बाप से नाराज होकर निकली- दोनों नाबालिग कक्षा 12 वी की छात्राएं है। वे घर वालों की डांट फटकार से नाराज होकर घर से भाग निकली थी। हरियाणा के सोनीपत जिले के एक गांव से वे पहले दिल्ली पहुंची और फिर गोंडवाना एक्सप्रेस में रायपुर की टिकट कटाकर रवाना हो गई थी। दोनो का गुस्सा उतरने पर वे बैतूल जिले के घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन पर उतर गई थी। जहां उन्हें देखकर जीआरपी ने उन्हे अपनी सुरक्षा में ले लिया था।

घर से रुपए चुराकर भागी- दोनो नाबालिग पक्की सहेलियां है। उन्होंने दो दिन पहले घर से भागने का प्लान बनाया और घर में रखे 40 हजार रू पर हाथ साफ कर चुपके से निकल गई। जब घर वालो ने उन्हें सुबह घर में नही पाया तो पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। जिस पर पुलिस ने धारा 365 के तहत उनके अपहरण का मामला दर्ज किया था।

रायपुर में मिलती है मजदूरी इसलिए इसे चुना- घर से भागने के पहले नाबालिग को किसी ने बताया था कि रायपुर में काम आसानी से। मिल जाता है। बस उन्होंने रायपुर का ही रास्ता चुन लिया। उन्होंने दिल्ली रेलवे स्टेशन से गोंडवाना का टिकट लेकर उसमे सवार हो गए। लेकिन बीच रास्ते में ही उनका विचार बदल गया और वे बैतूल के घोड़ाडोंगरी में उतर गई।

परिजन,पुलिस पहुंचे बैतूल- रानीपुर पुलिस ने दोनों बालिकाओं को महिला बाल विकास विभाग के सुपुर्द कर दिया था। जहां से उन्हे बैतूल स्थित वन स्टॉप सेंटर में ठहराया गया था।आज बालिकाओं के परिजन और सोनीपत पुलिस पहुंची है। वन स्टॉप सेंटर प्रभारी अनामिका तिवारी ने बताया की बालिकाओं को काउंसलिंग की गई है। उन्हे आज बाल कल्याण समिति के सामने पेश कर पुलिस और परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

नेचरल साइंसेस पर नेशनल वेबिनार सम्पन्न

बैतूल। जेएच कॉलेज में मप्र शासन उच्चशिक्षा विभाग भोपाल के आदेश के परिपालन में के प्राणी शास्त्र विभाग के तत्वाधान में एवं उच्च शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा प्रायोजित इंटरडिसीप्लीनरी एप्रोच इन नेचुरल सांइसेस विषय पर प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के संरक्षण में कनवीनर डॉ.सुखदेव डोंगरे के संयोजन में मुख्य व्यक्ता डॉ.विपिन व्यास डीन ऑफ लाइफ साइंस बीयू डॉ.आरके गर्ग प्रोफेसर ऑफ बायो सांइस बीयू. भोपाल, डॉ दिलीप गोरे डायरेक्टर साई बायोस्टेमस नागपूर, डॉ.पीके मिश्रा, डॉ.शीतल चौधरी, प्रो.शंकर सातनकर, डॉ.अनिता सोनी, डॉ. अल्का पाण्डे, डॉ. चंदशेखर मेश्राम, डॉ. खुशहाल देवधरे, डॉ.ओपी खत्री की डॉ. मीनाक्षी चौबे आईक्यूएसी प्रभारी की उपस्थिति में नेशनल वेबीनार पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सम्पन्न हुआ। वेबीनार में 125 विद्यार्थी एवं 20 प्राध्यापक सहित कुल150 लोग जुड़े। डॉ.विपिन व्यास ने कहा कि बैतूल जिले की ताप्ती नदी में अनेक जलीय माइक्रोआर्गेनेस्म, पौधे एवं जलीय जंतु उपस्थित है। डॉ.दिलीप गोरे ने कहा बायोडायवर्सिटी की विभिन्नता ही पर्यावरण में संतुलन बनाती है। डॉ.पीके मिश्रा ने कहा वृक्षारोपण ही मानव जीवन को संरक्षित कर सकता है। प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे ने भूमि संरक्षण पर विशेष जोर दिया। डॉ.शीतल चौधरी ने जल संरक्षण में वाटर हार्वेस्टिंग में बढ़ावा देने की बात कही। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा वायु प्रदूषण रोकने के लिए पेट्रोल, डीजल के वाहन कम उपयोग करने करो। डॉ.खुशहाल देवधर ने कहा प्रतिवर्ष तापक्रम विश्व में बढ़ रहा है प्लांटेशन से कम किया जा सकता है। डॉ.अल्का पाण्डे ने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। डॉ.अनिता सोनी ने कहा कि रेडियोएक्टिव प्रदूषण पर नियंत्रण होना चाहिए। डॉ.प्रतिभा चौरे और प्रो.किरण खातरकर ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ.कमलेश अहिरवार ने आभार व्यक्त किया। वेबीनार के आयोजन में डॉ.निहारिका भावसार, डॉ.मनोहरराव गांवडे, प्रो.संजय विश्वकर्मा, डॉ.बीडी नागले, डॉ.अनिता सोनी का सराहनीय योगदान रहा।

कहीं दूध समझकर जहर तो नहीं पी रहे आप...

शहर के दुधारू पशुओं की चारागाह बना नगर पालिका का ट्रेंचिंग ग्राउंड में पॉलीथिन और दूषित खाद्य सामग्री खा रहा गौवंश

बैतूल। नगर पालिका द्वारा गौठाना स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में शहर के 33 वार्डो एवं साप्ताहिक बाजार का कचरा डंप किया जा रहा है। हालांकि रहवासी क्षेत्र से सटा यह ट्रेंचिंग ग्राउंड हमेशा विवादों में रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण के बहाने ट्रेंचिंग ग्राउंड पर कभी कचरा प्रोसेसिंग तो कभी नाडेप के माध्यम से खाद बनाने से लेकर तमाम ताम-झाम नगर पालिका द्वारा किए गए।इसी ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पूरे समय शहर के दुधारू पशुओं का जमघट लगा रहता है। गाय-भैंस आदि मवेशी यहां पन्नी, पन्नी में भरा जूठन, हरी सब्जियों का कचरा या

अन्य अपशिष्ट खाते नजर आते है, लेकिन कभी नगर पालिका ने इन मवेशियों को ट्रेंचिंग ग्राउंड से दूर रखने के प्रयास तक नहीं किए। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर प्रतिदिन सैकड़ों मवेशी छोड़ दिए जाते है। जो दिन भर दूषित सामग्री का सेवन करते है। शाम होते ही यह मवेशी घरों को लौटते है। हैरत की बात यह है कि दुधारु पशुओं से मिलने वाले दूध को शहर की डेयरी में भी सप्लाई किया जा रहा है। जानकारों की माने तो सेहतमंद बनाने के लिए पिया जा रहा दुध लोगों की सेहत नासाज भी कर सकता है।

ट्रेंचिंग ग्राउंड पर छिड़का जाता है रसायन

हरिभूमि में पहले एपिसोड में इस बात का उल्लेख किया गया था कि यहां बिना किसी सुरक्षा के मजदूरों के द्वारा कबाड़ बिनकर कबाड़ी को बेचा जाता है। मजदूरों की सुरक्षा पर जब ठेकेदार के कर्मचारी से सवाल किया गया तो उसके द्वारा दो टूक यह कहा गया था कि कचरे पर रसायन का छिड़काव किया जाता है। ताकि किसी तरह का संक्रमण मजदूरों को न हो। ऐसे में यह विचारणीय है कि मवेशी भी रसायन युक्त दूषित खाद्य एवं अखाद्य सामग्री का सेवन कर रहे है। खासतौर से ट्रेंचिंग ग्राउंड पर फैली पॉलीथिन भी मवेशियों के पेट तक पहुंच रही है जिसकी वजह से वह संक्रमण का शिकार हो रहे है। पशु चिकित्सकों की माने तो पॉलीथिन की वजह से ज्यादातर मवेशियों की मौत हो रही है। कई बार पोस्टमार्टम के दौरान मवेशियों के पेट से भी पॉलीथिन निकलता है।

मवेशियों की चारागाह है ट्रेंचिंग ग्राउंड

ट्रेंचिंग ग्राउंड में भटक रहे मवेशियों के फोटो से ही स्पष्ट है कि शहर के ज्यादातर मवेशियों के लिए ट्रेंचिंग ग्राउंड ही चारागाह बन गया है। पशु मालिकों भी अपने मवेशियों की चिंता नहीं है। नगर पालिका और ट्रेंचिंग ग्रांउड का ठेका लेने वाले कबाड़ी को जब बच्चों एवं महिला पुरुषों की सुरक्षा और सेहत की फिक्र नहीं है मवेशियों के प्रति वह कितने गैर जिम्मेदार और असंवेनशील होंगे इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। बहरहाल चिंता का विषय यह है कि ट्रेंचिंग ग्राउंड पर दिन भर भटकने वाले मवेशियों से प्राप्त दुध पशु मालिकों द्वारा शहर की डेयरियों में बेचा जा रहा है और डेयरी से यह दुध घरों तक सप्लाई हो रहा जो लोगों को सेहतमंद बनाने की बजाय उनके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

कई सवाल दागे जा रहे हैं सोशल मीडिया पर, कहीं न कहीं स्थानीय अमला दोषी?

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई के छोटे हाथी विक्रमादित्य की मौत से मायूस हैं गाइड,वाहन चालक पर्यटकों को नहीं मिलेगी अटखेलियां

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई के सात वर्षीय छोटे लाड़ले हाथी विक्रमादित्य की मौत से मायूस क्षेत्रवासी हैं। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई के जिप्सी चालक एवं दुखित हैं महिला, पुरूष गाइड। अब पूर्व में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई आ चुके देश विदेश के पर्यटकों को नहीं देखने को मिलेगी विक्रमादित्य की अटखेलियां, चंचलता।इधर हाथी विक्रमादित्य की मौत को लेकर सोशल मीडिया पर कई सवाल दागे जा रहे है। स्थानीय एसटीआर के प्रबंधन पर।

कहीं न कहीं दाल में काला,स्थानीय अमला दोषी?

विगत दिनों सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई में एक नर बाघ विगत एक महीने से कामती बीट में स्वाभाविक रूप से पैदल चलने में उसे दिक्कत आ रही थी। वन्य प्राणी चिकित्सकों ने बाघ को ट्रंकुलाइज करके उसके पैर का उपचार किया था। जिसे बाद में उसे जंगल में छोड़ दियाथा। इस मामले में पैदल गस्ती दल एवं बताया जाता है कि सेवानिवृत्त हो चुकी 70 वर्षीय अजुगम एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के लाड़ले नन्हे हाथी विक्रमादित्य से बाघ की निगरानी स्थानीय एसटीआर ने करवाई थी?

सवाल यह उठता है कि जो हथनी सेवानिवृत्त हो गई है। उससे उक्त कार्य क्यों कराया गया? फिर उसके साथ नन्हें विक्रमादित्य को क्यों भेजा गया। क्या भीषण गर्मी, अधिक परिश्रम गस्ती के कारण विक्रमादित्य ने बाद में दम तोड़ दिया हो?

उक्त संज्ञान प्रदेश स्तरीय अधिकारियों को लेना चाहिए।

मीडिया से दूरी क्यों

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई के स्थानीय अधिकारी आखिर क्यों मीडिया से दूरी बनाते हैं। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई में वन प्राणियों की गणना होती है। जिसमें शाकाहारी, मांसाहारी वन प्राणियों के अलावा तितलियों की गणना होती रहती है। लेकिन लम्बे समय से देखा जा रहा है। पत्रकारों से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई के अधिकारी दूरी बनाकर चलते हैं। उल्लेखनीय है कि सेवानिवृत्त सहायक संचालक 'आर एस भदौरिया' ऐसे मौकों पर सोहागपुर ब्लाक के समस्त पत्रकारों को आमंत्रित करते थे।

पत्रकारों से दूरी का कारण यह भी हो सकता है

स्थानीय सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई के स्थानीय पत्रकारों को शायद इसीलिए आमंत्रित नहीं करते क्योंकि हाथियों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान हुआ नहीं दिया जाता है। जबकि उनके लिए अच्छा बजट रहता है। हाथियों को करीबन एक घंटे से अधिक तक नहलाया जाता है। दिन में करीबन दो बार हाथियों की मालिश की जाती है। खाने में गुड़ की रोटी स्वादिष्ट फल, रसीले फलों के अलावा बताया जाता है कि हल्दी भी दी जाती है। ऐसा लगता है कि महावत एवं स्थानीय अधिकारियों ने इसमें अवश्य ही कोताही बरतने से इन्कार नहीं किया जा सकता?

निकटता

विकीपीडिया में वर्णित है कि हाथी ऐसी प्रजातियों का समाजों में से एक है जो एक दूसरे से काफी निकटता से संबंधित होते हैं। वहीं यह भी कहा जाता है कि मानव परिवार की तरह यह अपने दीर्घकालीन जुड़ाव पर महत्व रखतें हैं। लाड़ले दिवंगत विक्रमादित्य की मां प्रिया चूरना क्षेत्र में गई हुई थी। विक्रमादित्य की बहिन लक्ष्मी के मामले में बताया जाता है कि कूनो भेजा गया है। पिता सिद्धनाथ के भी बाहर जाने के समाचार हैं। कहते हैं कि वन प्राणी भी मनुष्यों की भांति-भांति सानिध्य के अभिलाषी रहते हैं।

सोशल मीडिया पर दागे जा रहे हैं सवाल

वरिष्ठ पत्रकार राजेश शुक्ला ने सोशल मीडिया पर दिवंगत विक्रमादित्य हाथी की वीडियो डालकर करके हाथी मेरे साथी का गमगीन गाना खुश रहना में यार शैयर किया है। पत्रकार मुकेश अवस्थी ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि एसटीआर के मड़ई पार्क रेंज के रेंजर, डिप्टी रेंजर दोनों के फोन बंद आ रहे है। क्या यही ड्यूटी करने का तरीका है ।

जांच-पड़ताल

सतपुडा टाईगर रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सक दल, स्कूल ऑफ वाइल्ड लाईफ फॉरेंसिक एण्ड हेल्थ जबलपुर एवं वाइल्ड लाईफ कन्जर्वेशन ट्रस्ट के संयुक्त चिकित्सक दल ने जांच के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल एवं टॉक्सीकोलॉजीकल परीक्षण हेतु आवश्यक सेम्पल एकत्रित किए हैं। इसके अलावा अतिरिक्त किसी संक्रमित बीमारी या किसी अन्य संदिग्धता की अशांका को देखते हुये कैम्प के अन्य हाथियों के भी बायोलोजीकल सैम्पल लिए गए हैं। क्षेत्र की जनता-जनार्दन को उत्सुकता है कि आखिर नन्हें चंचल हाथी विक्रमादित्य की मौत क्यों हुई। हालांकि इस प्रतिनिधि से चर्चा करते क्षेत्र संचालक एल. कृष्णमूर्ति ने कहा था कि रिपोर्ट आने के उपरांत ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि विक्रमादित्य की मौत कैसे हुई ?

काश कायाकल्प और सीवरेज योजना कार्यों का निरीक्षण कर पाती..

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोनिया मीना ने भोपाल तिराहे से नर्मदा ब्रिज तक जाने वाली निर्माणाधीन सड़क एवं ब्रिज का अवलोकन किया, नर्मदा पुरम से बुदनी तक बनने वाली सड़क में इस बात की जांच की, कि सड़क निर्धारित मापदंड के अनुसार बन रही है कि नहीं। उन्होंने सड़क की कोर कटिंग गहराई को जांचने के लिए जेसीबी से भी सड़क खुदवा कर निर्धारित मानक की जांच की इसके अलावा उन्होंने माखन नगर से पिपरिया जाने वाली सड़क के रिनुअल के कार्य का निरीक्षण किया । कोर कटिंग गहराई का अवलोकन किया । कलेक्टर ने यह देखा कि सड़क का रिनुअल मानक दंड अनुसार हो रहा है कि नहीं। डामरीकरण के लेवल को भी उन्होंने चेक किया। कलेक्टर की गंभीरता उनके द्वारा किए गए आज औचक निरीक्षण से सामने आती है काश ऐसा ही औचक निरीक्षण वे नगर में चल रहे कायाकल्प योजना सहित सीवरेज ट्रीटमेंट योजना कार्य का निरीक्षण कर पाती।

व्यक्तिगत कहकर सही जानकारी देने से कतरा रही नपा : महेश वर्मा

नर्मदापुरम। नगरपालिका में हुई अवैध अनुकंपा नियुक्ति के मामले को लेकर सूचना का अधिकार के तहत जानकारी मांगने पर व्यक्तिगत जानकारी नहीं ही जा सकती कहकर जानकारी नहीं दिए जाने पर भारतीय मजदूर संघ से संबंधित नगरपालिका कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा के संवाद नगरपालिका से तीखे हो चले। नगरपालिका में हुई अवैध अनुकंपा नियुक्ति की जानकारी नहीं मिल पाने के कारण उपर कार्रवाई के लिए वो नहीं जा पा रहे। लगभग आधा दर्जन अवैध अनुकंपा नियुक्तियों के मामले को लेकर श्री वर्मा का कहना है कि अगर दी गई अनुकंपा नियुक्तियां नियम के अधीन है तो मूल नस्तियां देने में आपत्ति नहीं होनी चाहिए, इनकी अनुकंपा नियुक्ति वास्तव में वैध है तो ऐसी जानकारी दिये जाने से नगरपालिका को नगर, प्रदेश, राज्य या देश में किसी भी प्रकार कि कोई क्षति नहीं होगी। लेकिन इस मामले में इन्हें डर है कि नियुक्तियों में हुआ लेन-देन सामने आ सकता हैं। इसे लेकर मजदूर संघ नेता ने नगरपालिका सीएमओ से अपेक्षा की है वे स्व विवेक के निर्णय और नियम के पालन में सूचना कि जानकारियां संबंधितों को दिलवायें क्योंकि संयुक्त संचालक सुरेश बेलिया पर पूर्व में मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग द्वारा दंडात्मक कार्यवाही की जा चुकी है।

तहसील पर प्रशासनिक छवि तेजाब युक्त और यहां एक दम विपरीत..

नर्मदापुरम। डोलरिया तहसील में शासकीय हाई स्कूल परिसर की जमीन पर तहसीलदार अनिल पटेल ने अतिक्रमण हटाकर लगभग साढ़े आठ करोड़ की सरकारी संपत्ति अतिक्रमण कर्ताओं के चंगुल से बचाई है। प्रशासनिक इच्छा शक्ति की इस चुनिंदा खबर को लेकर मुख्यालय में अधिकारी से लेकर आम लोग चौंक गए, सोशल मीडिया पर इस खबर को लेकर चौंकाने वाली टिप्पणियां आई, जिले में अतिक्रमण हटाने को लेकर क्या कलेक्टर की दोहरी नीति का ऐजंडा है..? तमाम अखबारों में छाए डोलरिया तहसील में आज चंदन सिंह भदौरिया पिता ब्रजलाल, नंद किशोर पिता किशन सिंह, संजय सिंह पिता विजय सिंह, गौरव सिंह राजपूत पिता नर्मदा प्रसाद, नरेन्द्र सिंह बरकुड़ पिता गोपाल सिंह, कैलाश सिंह पिता धीरज सिंह द्वारा दो एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा था। रसूखदार दबंगों से सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। लोग खबर बार-बार पढ़ते, समझने की कोशिश करते आखिर एक ग्रामीण तहसीलदार की यह कैसी ठसक नामचीनों के हलक में हाथ डाल कर डोलरिया जैसी तहसील में सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त करा डाली..! यह फार्मूला मुख्यालय पर लागू नहीं ऐसा क्यों ..? सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा की इस मामले में उनकी छवि चरितार्थ कर रही भाजपा ने उन्हें रिपीट कर गलत नहीं किया। फिर लोग तर्क दे रहे हमारे स्थानीय विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ईमानदारी में पीछे नहीं, अपने क्षेत्र में सबसे ज्यादा सवाल उठाने वाले डॉ साहब को विधानसभा में क्षेत्र का जागरूक विधायक के तौर पर जाना जाता हैं। उनकी विधानसभा में नगरपालिका के नाम सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज 59400 वर्ग फुट जमीन का सीमांकन नहीं हो पाना, जमीन का नवीनीकरण नहीं हो पा रहा। उस पर रसूखदार अतिक्रमण कारी का अवैध कब्जा कलेक्टर सुलझ नहीं पा रहा क्यों..? तहसीलदार अपनी रिपोर्ट में नगरपालिका के नाम रिकार्ड में दर्ज शीट नं 43 प्लाट नं 15/1 पर अतिक्रमण हैं लिखित रिपोर्ट दे चुके। अतिक्रमण कर्ता नगरपालिका के नाम दर्ज जमीन जाली दस्तावेज के जरिए जमीन का नामांतरण करवाने का प्रयास कर चुका है। मजेदार बात यह है कि अतिक्रमण कर्ता का पट्टा आवंटन प्रकरण मामला नजूल विभाग में 88 से चल रहा वह कैसे..? क्या स्थानांतरित होकर आने वाले कलेक्टर राजस्व के लंबित प्रकरण नहीं देखते..? जैसे वर्तमान कलेक्टर सोनिया मीना ने डोलरिया का लंबित मामला देखकर 8 करोड़ की सरकारी संपत्ति अतिक्रमण मुक्त कराई.. डोलरिया तहसील के भांति सरकारी संपत्ति बचाने का प्रयास.. प्रशासनिक इच्छा शक्ति को दर्शाता है और ऐसी प्रशासनिक इच्छा शक्ति का अभाव वर्षों से मुख्यालय पर दिखाई देते चला आ रहा है।

रविराज के अर्धशतक से गंधवानी क्वार्टर फाइनल में, हेवी ट्रेकर ने भी प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

जिला स्तरीय रात्रिकालीन मालवा कप क्रिकेट प्रतियोगिता में हो रहे है रोचक मुकाबले..

धार। शहर के किला मैदान में चल रही जिला स्तरीय रात्रि कालीन मालवा कप क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को 4 मैच खेले गए। मुख्य अतिथि के रूप में धार कोतवाली प्रभारी समीर पाटीदार, नौगांव थाना प्रभारी सुनील शर्मा, प्रेस क्लब अध्यक्ष ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा, आशीष यादव, कपिल तिवारी थे। पहला मैच रौनक स्टील लेबर और नारायणपुर-11 के बीच हुआ जिसमें रौनक स्टील ने तक जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवरों के मैच में 107 रन बनाए 108 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नारायणपुरा इलेवन 7 विकेट खोकर महज 100 रन पर ही सीमित गई रौनक स्टील ने मैच 7 रनों से जीत लिया, दूसरा मैच एसटीसीसी गंधवानी और लव कुश- 11 मगजपुरा के बीच हुआ जिसमें एसटीसीसी गंधवानी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट खोकर 130 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया गंधवानी ने रविराज की 22 बालों पर 51 रन की तूफानी पारी के बदौलत गंधवानी मैच 19 रनों से विजयी हुई.तीसरा मैच हैवी ट्रैकर एवं यंग स्टार के बीच खेला गया जिसमें हैवी ट्रेकर टीम ने मालवा कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर 146 रन

5 विकेट खोकर बनाए, यंग स्टार क्रिकेट क्लब आठ ओवर में छह विकेट खोकर 103 रन ही बना पाई और यह मैच हैवी ट्रेकर ने 43 रनों से जीत लिया, बुधवार का स्पर्धा का दूसरा प्री क्वार्टर फाइनल मैच गंधवानी और रौनक स्टील के बीच में खेला गया जिसमें गंधवानी ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवरों में मात्र 81 रन ही बनाएं इधर लक्ष्य का पीछा करना उतरी रौनक स्टील शुरुआती ओवरों में लड़खड़ाती नजर आई लेकिन बाद में हरी और गबू की बेहतरीन पारी ने मैच को रोमांचक बना दिया लेकिन उसके बावजूद भी एसटीसीसी गंधवानी 5 रन से विजयी रही। अंपायर की भूमिका सुंदर रायकवार, मनीष भार्गव, अजय जैन, अमित वर्मा महेश बोडाना ने अदा की वही स्कोरर के रूप में शेर चौधरी, सोनू वर्मा, विशाल पाल, कॉमेंटेटर गोकुल चौहान अजय जैन एवं रोहित पाल रहे। जानकारी क्लब के सदस्य कृष्णा सूजन द्वारा दी गई।

धार जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी घोषित

जिले की सभी तहसीलों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया गया है कार्यकारिणी में

धार। धार जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक शास्त्री ने जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी की घोषणा की . तीन संरक्षक , 7- उपाध्यक्ष , 1 - सचिव , कोषाध्यक्ष , संगठन मंत्री , पी. आर. ओ. , 7- सहसचिव , 5- विशेष आमंत्रित सदस्य , के साथ 58 कार्यकारिणी के सदस्यों की नियुक्ति की । जिले के सभी तहसीलों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया गया हैं ।

पीआरओ निलेश जैन ने बताया कि जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक शास्त्री ने संरक्षक पद पर उमाशंकर सोनी , दीपक शर्मा , धार , कृष्णकान्त गुप्ता (कुक्षी) , सचिव - आशीष बाँगर धार) , कोषाध्यक्ष - दीपिका मालविया (धार) , संगठन मंत्री - विनीत खत्री (धार) , पीआरओ - निलेश जैन (धार) , उपाध्यक्ष - सर्वश्री ज्ञानेन्द्र जैन (राजगढ़) , डॉ. के. सी. मुकाती (कुक्षी) , सुशील अग्रवाल (खलघाट) , संजय जैन (धामनोद), अमृतलाल जैन (पीथमपुर) , ओमप्रकाश सोनी (मनावर) , योगेश कुमार राजपुरोहित (बदनावर) , सहसचिव - सर्वश्री जितेंद्र जैन (धार) , पारस जैन (राजगढ़), कपिल नाहर (बदनावर) , मितेश भावसार (कुक्षी), सुरेश मुंदड़ा (गुजरी), मन्नान अली (मनावर), सुनील जैन (गंधवानी) , विशेष आमंत्रित सदस्य - सर्वश्री राजेंद्र कुमार जैन (धार) , हरिराम अग्रवाल (धार), ओमप्रकाश मित्तल (धार) , दिनेश अग्रवाल (धार) , सुधीर जैन (धार) जिला कार्यकारिणी सदस्य सर्वश्री मुकेश राठौर , बलवीर सिंह अरोरा, अशोक अग्रवाल , विकास अग्रवाल , राकेश शर्मा , योगेश सिंह गोड , विनोद मित्तल , शैलेंद्र मित्तल , धर्मराज पाटीदार , सुनील कोठारी , राजेंद्र जायसवाल , शैलेंद्र मानावत , विशाल एरन , पियूष सोनी , अंबर गुप्ता , राजकुमार जायसवाल , अंकुर बाँगर , गणेश मालवीया , श्रीमति ललिता चौधरी (धार) , प्रेमचंद पाटीदार (पीथमपुर), देवानंद सोनी (पीथमपुर), अनिल पटिदार (सरदारपुर) , विजय पाटीदार (दसाई), गोवर्धनलाल मारू (बर्मण्डल), सीताराम घनौलिया (राजोद), गोविंद गुप्ता (अमझेरा), कृष्णकान्त पटेल (अमझेरा) , रितेश कुमार राजपुरोहित (बदनावर), मुश्ताक (बदनावर), मनोज गुजराती (कानवन), अब्दुल खालिद कुरेशी (नागदा), पवन शर्मा (गंधवानी), हेमंत पाटीदार (गंधवानी), शाहजाद खान (जिराबाद), सुनील पाटीदार , लखन पाटीदार , पंकज पाटीडार (मनावर), मुकेश गहलोत (डेहरी), निर्मल जैन (टांडा), विकास शर्मा (बाग), पवन अग्रवाल (कुक्षी), अब्बास हक़ीमुद्दीन (कुक्षी), हेमंत भायल (कुक्षी), लक्ष्मी नारायण अग्रवाल (डही), कमलेश शर्मा (नालछा), पुष्पेंद्र गंगवाल (नालछा), सत्यनारायण पटेल (बगड़ी), रामेश्वर राठौर (कालीबावड़ी), रवि बाहेती (गुजरी), राजेंद्र पाटीदार (धामनोद), विनोद प्रजापत (उमरबन), गिरिराज राठौर (धरमपुरी), शैलेंद्र जैन (राजगढ़), संजय राज जैन (सरदारपुर), गणेश मालवीया (दिग्ठान), धर्मेंद्र गढ़वाल (सादलपुर), जगदीश पाटीदार (निसरपुर), रमाकान्त पाटीदार (रिंगनोद) की नियुक्ति की गई । जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक शास्त्री ने सभी नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए निवेदन किया हैं की सभी संगठन के प्रति निष्ठावान रहते हुए , संगठन को और मजबूत , सशक्त बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे ।

स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के तहत जागरूकता अभियान

सुबह सवेरे सोहागपुर

नगर पंचायत परिषद के तत्वावधान में भारत सरकार के अधिनियम पर दिए निर्देश पर चिन्हित सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रतिबंध हेतु स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत माह मार्च से जून 2024 तक संचालित जनजागरूकता अभियान एवं चालानी की कार्यवाही मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद जीएस राजपूत के आदेशानुसार नगर में की गई। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक संजय परसाई, संजय पचौरी, भूपेन्द्र केवट आदि के साथ मुख्य बाजार में की गई। जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथीन के उपयोग करने वाले 11 दुकानदारों पर चालानी कार्यवाही की गई। श्री परसाई ने बताया कि नगर में सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथीन के बढ़ते उपयोग को देखते हुए नगर पंचायत परिषद क्षेत्र में निरंतर चलती रहेगी। नगरपालिका अधिकारी जीएस राजपूत ने नगरवासियों से सिंगल यूजर सामग्री इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है।

डंपर यूनियन ने कलेक्ट्रेट में दिया धरना प्रदर्शन

ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मांगों से कराया अवगत

बैतूल। डंपर यूनियन ने आज कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन देकर ज्ञापन के माध्यम से विभिन्न मांगें जिला प्रशासन के सामने रखी। डंपर यूनियन ने गत दिनों हुई कार्यवाही को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि जब भी प्रशासन कार्यवाही करता है तो डंपर वालों के खिलाफ ही कार्यवाही की जाती है। जबकि डंपर मालिक रेत का अवैध परिवहन नहीं करते हैं। उनके द्वारा

खनिज रायल्टी देकर ही रेत का परिवहन किया जाता है फिर भी खनिज विभाग द्वारा डंपर मालिकों को दोषी बनाया जाता है। उन्होंने मांग की है कि जिस खदान से रेत दी जा रही है उस खदान की रायल्टी दी जाए। दूसरा डंपर मालिकों को आवंटित खदानों की जानकारी दी जाए। उनको बताए हुए स्थान से ही रेत उठाई जाती है इसमें डंपर मालिक की कोई गलती नहीं होती है। ज्ञापन सौंपने वालों में डंपर यूनियन के राजेश गावंडे, रवि राठौर, प्रणय पाठक, सचिन पंवार, तौफिक खान, विशाल साबले, श्याम कलोनिया, रिंकू डांगे, गजेंद्र खतलकर, अजय पंवार, महेंद्र रघुवंशी, अनिल पंवार, धीरज राठौर, सचिन राठौर सहित बड़ी संख्या में डंपर मालिक शामिल हुए।

गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक तथा माईक्रो आब्जर्वर का द्वितीय प्रशिक्षण आज

धार। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी जिला पंचायत सविता झानिया ने बताया कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 हेतु मतगणना 4 जून को शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय में होना है। इस हेतु अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी ईव्हीएम से मतगणना हेतू गणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायक तथा माईक्रों आब्जर्वर में लगाई गई है, जिनका द्वितीय प्रशिक्षण 31 मई को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यलय धार के ऑडिटोरियम हॉल में रखा गया है। जिसमें गणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायक का द्वितीय प्रशिक्षण प्रातः 11 बजे से एवं माईक्रों आब्जर्वर का प्रशिक्षण दोपहर 2 बजे से शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यलय धार के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित होगा।

संस्कार भारती द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर में चित्रकला, मूर्तिकला और संगीत का प्रशिक्षण दिया गया

धार। संस्कार भारती जिला धार द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन छत्री परिसर पर किया गया। जिसमे चित्रकला, मूर्तिकला और संगीत का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमे 50 से अधिक बच्चो ने अपनी सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमे मूर्तिकला में प्रशिक्षण अतुल कालभवर और प्रणय शर्मा ने दिया। चित्रकला में प्रशिक्षण अशोक पाटीदार और अनूप श्रीवास्तव ने दिया और संगीत में प्रशिक्षण विकास चौहान ने दिया।

ग्रीष्मकालीन शिविर के समापन अवसर पर संगीत की प्रस्तुति और चित्र कला और मूर्तिकला की प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। जिसमे अतिथि के रूप में स्कूल संचालिका और समाजसेवी राखी राय, व्यवसाई और समाजसेवी घनश्याम मेरवानी, भोज शोध संस्थान के निदेशक डॉ दीपेंद्र शर्मा, एडवोकेट और समाजसेवी सुनील रघुवंशी उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत जिला अध्यक्ष गौरव मालक, सुनील बलदिया, दीपक कलाकार

और पुष्पजीत भोसले ने किया। अतिथियों द्वारा प्रशिक्षणकर्ता और बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी रॉकी मक्कड़ ने बताया कि

इस अवसर पर कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों ने राग यमन मै सरगम सुनाई जो ताल तीनताल मध्य लय में एवं 'सखी एरि आली पिया बिन' ख्याल प्रस्तुत किया, इसके पश्चात विकास चौहान ने राग मधुवंती मैं पारंपरिक बंदिश 'कहे मान करो सखी रि अब' एवं स्वयं द्वारा रचित तराना प्रस्तुत किया जो दुरुत तीनताल था। तत्पश्चात सभी ने चित्रकला और मूर्तिकला का अवलोकन किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय सहमहामंत्री पराग भोसले ने किया। इस अवसर पर मीनाक्षी लहरे, रुचि नायकवाडे, भावना पवार, संजय उपाध्याय योगेश कबीरपंथी हृदय मुकाती आदि उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन महामंत्री विवेक यादव ने किया।

30 प्रतिशत से कम रिजल्ट वाले अतिथि शिक्षक खतरे में...

इस सत्र में नियुक्ति नहीं मिलेगी, नेता प्रतिपक्ष ने पूछा-नियमित शिक्षकों पर ऐसी सख्ती का नियम नहीं

भोपाल (नप्र)। मप्र के सरकारी स्कूलों में नियमित शिक्षकों की कमी को देखते हुए अस्थाई तौर पर नियुक्त किए गए अतिथि शिक्षकों की नौकरी खतरे में पड़ सकती है। सरकारी स्कूलों में 30 फीसदी से कम रिजल्ट वाले अतिथि शिक्षकों को अब नियुक्ति नहीं मिलेगी। मप्र के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दमोह के जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश को एक्स पर शेयर करते हुए पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान द्वारा अतिथि शिक्षकों को दिए गए आश्वासनों पर सवाल उठाए हैं।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने अपने ट्वीट में लिखा- मध्यप्रदेश सरकार ने अब अतिथि शिक्षकों को पूरी तरह बेदखल करने की तैयारी कर ली। अब हर जिले का शिक्षा अधिकारी आदेश निकाल कर उन्हें हमेशा के लिए बाहर करने वाले हैं। दमोह के जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश निकाला कि 30 प्रतिशत से कम रिजल्ट वाले अतिथि शिक्षक को काम पर नहीं रखा जाएगा। जबकि, नियमित शिक्षकों पर ऐसी कोई सख्ती का प्रावधान नहीं है। क्या हुआ शिवराज सिंह चौहान के उन आश्वासनों का जो अतिथि शिक्षकों को दिए गए थे।

बोर्ड परीक्षाओं में 30 फीसदी से कम रिजल्ट तो नहीं मिलेगी नियुक्ति - स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश के अनुसार अब एमपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की सालाना परीक्षा में 30 परसेंट या उससे कम परिणाम वाले अतिथि शिक्षकों को अगले सत्र में पढ़ाने के लिए नहीं बुलाया जाएगा। इस आदेश से राज्य के 15,000 अतिथि शिक्षकों पर सीधा असर पड़ेगा।

आदेश से नाराज है अतिथि शिक्षक

मध्यप्रदेश की सरकार के इस आदेश से अतिथि शिक्षक नाराज नजर आ रहें हैं। आपको बता दें इस आदेश का सीधा असर प्रदेश के 72,500 में से 15,000 अतिथि शिक्षकों पर पड़ेगा। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि छात्र-छात्राओं का रिजल्ट ख़राब आने की जिम्मेदारी हमारी नहीं है, बल्कि सरकार की गलत नीतियों और प्राचार्यों की है।

कई जिलों में जारी हुए आदेश से अतिथि शिक्षक चिंतित- मप्र के कई जिलों में डीईओ ने रायसेन जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अंतर्गत स्कूलों में 30 प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले अतिथि शिक्षक की दोबारा नियुक्ति नहीं की जाएगी। इस सम्बन्ध में राज्य शिक्षा केंद्र ने गाइडलाइन जारी कर दी है। साथ 10 दिनों के अंदर अतिथि शिक्षकों की रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस आदेश में कहा गया है कि 30 प्रतिशत या उससे कम रिजल्ट लाने वाले अतिथि शिक्षकों को किसी भी कॉलेज में आमंत्रित नहीं किया जाए।

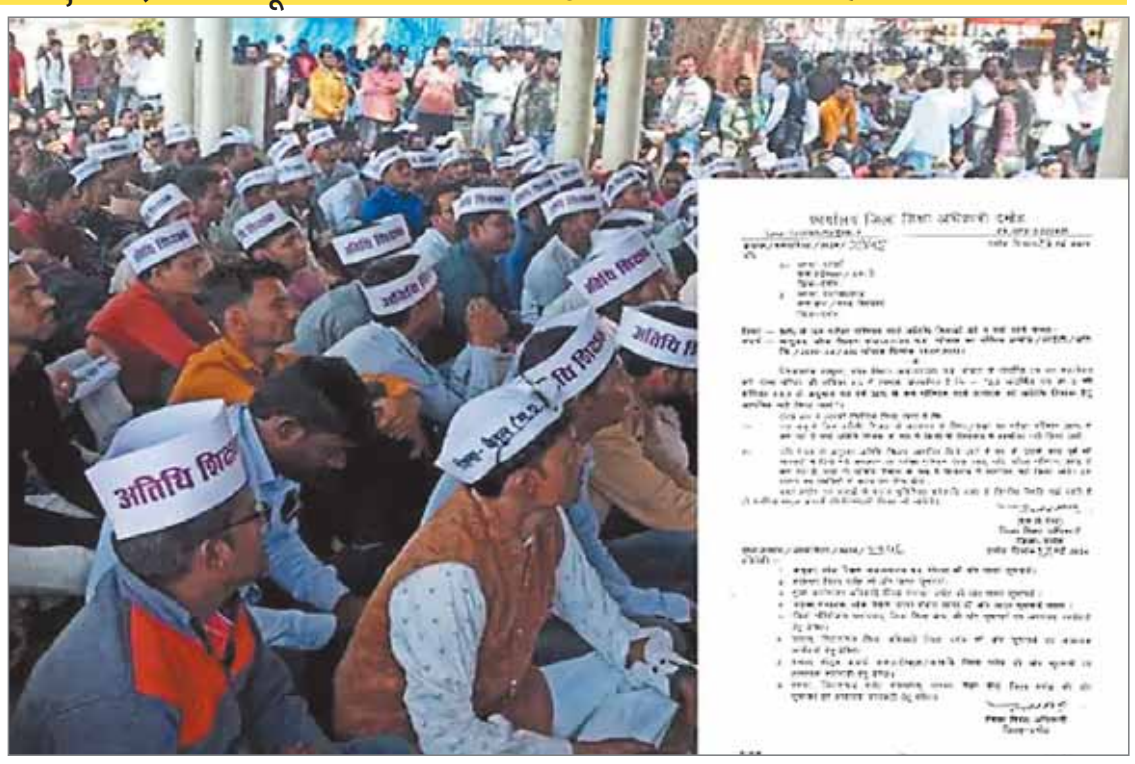

अतिथि शिक्षकों के संगठन ने सरकार से की यह मांग

- जिन भी अतिथि शिक्षकों के एग्जाम का रिजल्ट 30 प्रतिशत से कम है उनकी सेवा अवधि को देखा जाए।
- 40 प्रतिशत अतिथि शिक्षकों के केवल 3 या 4 महीने ही स्कूलों में पढ़ाया है।
- नियमित शिक्षक और अतिथि शिक्षकों के परीक्षा परिणाम का एनालिसिस होना चाहिए।
- अतिथि शिक्षकों को 6 महीने का मानदेय यानी सैलरी से कुछ ज्यादा पैसा नहीं मिलता। ऐसे में सारी जवाबदारी थोपना गलत है।
- अप्रैल और मई की सैलरी अभी तक नहीं दी गई है ऐसे में 50 किमी दूर जारक पढ़ाई करना मुश्किल होता है।
- 30 प्रतिशत से कम रिजल्ट वाले अतिथि शिक्षकों को एक बार मौका देना चाहिए अगर फिर भी अगले परीक्षा सत्र में भी इनमें कोई सुधार नहीं होता है तो इन्हें इनकी नौकरी से हटा दिया जाएगा। ● पिछले 3 सत्रों के परीक्षा परिणाम को भी देखना चाहिए। अगर किसी अतिथि शिक्षक का पिछले सत्र का रिजल्ट अच्छा है तो उसे एक मौका जरुर दिया जाना चाहिए।

महाकाल मंदिर में सुरक्षाकर्मियों और श्रद्धालुओं में मारपीट

लाइन में लगे भक्तों को रोका, खास को एंट्री दी; निरीक्षक और दो सुरक्षाकर्मी निलंबित

उज्जैन (नप्र)। महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों में हाथापाई हो गई। घटना बुधवार रात की है। निर्माल्य गेट पर हुए हंगामे का वीडियो सामने आया। मंदिर प्रशासक मृणाल मीना ने गुरुवार को निर्माल्य द्वार के निरीक्षक, सुरक्षाकर्मी गोपाल सिंह और बलराम सिंह को निलंबित कर दिया गया है।

इंदौर के हर्ष सिंह भी बुधवार रात महाकाल मंदिर दर्शन करने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि रात 9.30 बजे मंदिर प्रशासक कार्यालय के सामने से लोगों की एंट्री बंद कर दी गई। इस वजह से यहां भीड़ लग गई। कुछ लोगों को बारी-बारी से जाने दिया गया। यही भीड़ आगे जाकर निर्माल्य गेट पर रोक दी गई। यहां से भी कुछ खास लोगों को मंदिर में एंट्री दी गई। इस पर श्रद्धालुओं ने आपत्ति ली। मंदिर में प्रवेश करने को लेकर बुजुर्ग महिला, उनके परिवार के लोग और सुरक्षाकर्मियों में बहस शुरू हो गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला और व्यक्ति, सुरक्षाकर्मियों के साथ निर्माल्य गेट पर विवाद कर रहे हैं, इतने में उनके साथ आया एक श्रद्धालु, सुरक्षाकर्मियों से भिड़ जाता है। इसके बाद सुरक्षाकर्मी भी इन श्रद्धालुओं पर टूट पड़ते हैं। करीब आधे घंटे तक हंगामा होता रहा।

जिलों में रातभर चलवाया चैकिंग अभियान

एक रात में मप्र पुलिस ने 2428 जिला बदर बदमाशों को चैक किया, 141 घर या मोहल्ले में ही मिल गए

भोपाल (नप्र)। मप्र पुलिस ने मंगलवार रात प्रदेश के सभी जिलों में एक साथ अभियान चलाकर 141 जिला बदर बदमाशों को दबोचा है। रातभर में पुलिस ने प्रदेशभर में 2428 जिला बदर बदमाशों की मौजूदगी खंगाली गई। इनमें ये 141 ऐसे मिले, जो आदेश होने के बाद भी अपने मोहल्ले या घर पर ही मिल गए। इनमें सबसे ज्यादा 31 बदमाश ग्वालियर जोन में पकड़े गए, जबकि भोपाल देहात पुलिस ने 20 बदमाश पकड़े हैं। हाल ही में कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने असामाजिक तत्वों, गुंडे-बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद डीजीपी सुधीर सक्सेना ने प्रदेश के सभी पुलिस अधीक्षकों को अभियान चलाकर जिला बदर बदमाशों की धरपकड़ के लिए कहा। सूचना ये भी थी कि कुछ ऐसे जिला बदर बदमाश भी हैं, जो जिले से बाहर होने के बजाए अपने घर या उसके आसपास रहकर ही कलेक्टर आदेश का उल्लंघन कर रहे हैं। इस आधार पर मंगलवार रात हर जिले में ऐसे बदमाशों की चैकिंग की गई। रातभर में पुलिस ऐसे 2428 बदमाशों के ठिकानों पर पहुंची। इनमें 141 अपने घर या मोहल्ले में ही मिल गए। कानून का उल्लंघन करते मिलने पर इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जनजागरण रैली

ब्रह्माकुमारीज ने लगाए पान, बीड़ी और शराब सारा जीवन करे खराब के नारे

भोपाल (नप्र)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय मुख्यालय राजयोग भवन भोपाल में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर गुरुवार को जन जागरण रैली का आयोजन किया गया। यात्रा संस्थान के क्षेत्रीय मुख्यालय से एकांत पार्क, चार इमली, रवि शंकर कॉलोनी, श्याम नगर की बस्तियों से होते हुए वापस राजयोग भवन में समाप्त हुई।

कार्यक्रम में तंबाकू और उससे बने पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में लोगों को जानकारी दी गई। रैली में सभी ब्रह्माकुमारी बहनें हाथ में बैनर लेकर चल रही थीं। साथ ही व्यसन मुक्त भारत के नारे लगा रही थीं.. पान, बीड़ी और शराब सारा जीवन करे खराब। रैली का शुभारंभ मध्यप्रदेश की क्षेत्रीय निर्देशिका राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी अवधेश दीदी ने किया। इस मौके पर सिंगरौली क्षेत्र की संचालिका राजयोगिनी शोभा दीदी, सीधी क्षेत्र की संचालिका राजयोगिनी रेखा दीदी, माउंट आबू से दिव्यांग विभाग के डायरेक्टर ब्रह्माकुमार सूर्यमणि सहित समस्त ब्रह्माकुमार, ब्रह्माकुमारी और शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

भोपाल में नाबालिग किशोरी का किडनैप, बंधक बनाया

पिता बोले आरोपी का नाम एड्रेस बताने के बाद भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही

भोपाल (नप्र)। भोपाल ग्रामीण के बैरसिया थाना इलाके में रहने वाली 17 साल की नाबालिग किशोरी का एक युवक ने बहला फुसलाकर अपहरण कर लिया। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बहला फुसलाकर अगवा करने का केस दर्ज कर लिया है। हालांकि किशोरी के पिता का आरोप है कि अपरहण करने वाले को वह जानते हैं। पुलिस को इसकी सूचना दी है। इसके बाद भी पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज किया और आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय किशोरी बैरसिया के एक गांव की रहने वाली है। 30 अप्रैल की शाम को टेलर की दुकान से सूट उठाने का बोलकर घर से निकली थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। रात भर परिजनों ने उसकी तलाश की। कहीं कोई जानकारी नहीं मिली तब 1 मई की सुबह पिता ने थाने पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई। इसी रात को पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बहला फुसलाकर अपहरण का केस दर्ज कर लिया।

संदेही का नाम बताने पर भी नहीं की कार्रवाई- बालिका के पिता का कहना है कि मैंने थाना बैरसिया में बताया था गोंडवा का रहने वाला थान सिंह राजपूत मेरी बेटी को अगवा कर ले गया है। 29 दिन बाद भी पुलिस ने थान सिंह के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। बेटी को तलाशने की कोई कोशिश नहीं की जा रही है।

आईजी से की शिकायत- बालिका के पिता ने बैरसिया पुलिस के रवैये की शिकायत आईजी कार्यालय में आवेदन के माध्यम से की है। उनका कहना है कि मैं कई बार थाने जाकर साफ तौर पर बता चुका हूं कि थान सिंह राजपूत ने ही बेटी को किडनैप किया है। उसे अपने घर में बंधक बनाकर रखा है, लेकिन पुलिस कार्रवाई के लिए तैयार नहीं है।

थाना प्रभारी बोले जल्द होगी गिरफ्तारी- टीआई नरेंद्र कुलस्ते ने बताया कि नाबालिग को अगवा करने वाले आरोपी को नामजद कर लिया है। उसकी तलाश में थाने की दो टीमें लगी हैं। सूचनाओं के आधार पर उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रहे हैं। जल्द उसे गिरफ्तार कर लेंगे।

भोपाल में कुत्तों ने किया काले हिरण का शिकार

वन विभाग के रेस्ट हाउस के पास मिला शव, दो घंटे निगरानी करते रहे ग्रामीण

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बिशनखेड़ी में वन विभाग के रेस्ट हाउस के पास एक गर्भवती काले हिरण का शव मिला है। ग्रामीणों का कहना है कि हिरण का शिकार कुत्तों ने किया है। वन विभाग की टीम जांच कर रही है। वन विहार में हिरण के शव का पोस्टमॉर्ट्म होगा। मौत की असल वजह पोस्टमॉर्ट्म रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगी। बिशनखेड़ी एरिया शहर के वार्ड-26 में आता है। सुबह स्थानीय निवासी शेकलाल और अन्य लोगों ने हिरण का शव वन विभाग के रेस्ट हाउस के पास देखा। शेकलाल ने बताया कि यह काला हिरण है। सुबह कुत्तों ने शिकार किया। कुत्ते शव लेकर न जाए, इसलिए 2 घंटे चौकीदारी करते रहे। लोगों ने डीएफओ आलोक पाठक को भी इसकी जानकारी दी। इसके बाद वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा।

कुत्तों के हमले से मौत, पोस्टमॉर्ट्म करवा रहे

इस मामले में डीएफओ आलोक पाठक ने बताया कि जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर वन विहार भिजवाया गया। जहां शव का पोस्टमॉर्ट्म होगा। प्रारंभिक जांच और ग्रामीणों से बातचीत करने से पता चला है कि कुत्तों के हमले में हिरण की मौत हुई है। काला हिरण शेड्यूल-1 में आता है।

भेड़ वालों को खदेड़ रहा वन विभाग- जिस जगह काले हिरण का शव मिला, उससे आसपास पानी वाला इलाका है। इसके चलते राजस्थानी भेड़ वाले भी वहां भेड़ों को लेकर रुके हैं। ऐसी आशंका है कि भेड़ वालों के साथ कुत्ते भी हैं, जो शहरी कुत्तों की तुलना में ज्यादा हिंसक होते हैं।

भोपाल में सड़क हादसे में युवक की मौत

एयरपोर्ट के करीब ब्रिज पर अज्ञात वाहन की टक्कर से हुआ हादसा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एयरपोर्ट के नजदीक ब्रिज पर अज्ञात वाहन ने स्पोर्ट्स बाइक पर सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान हमीदिया अस्पताल में गुरुवार तड़के मौत हो गई। मामले में गांधी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान के लिए पुलिस घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

एएसआई रामभरत सुमन ने बताया कि 45 वर्षीय सलमान खान साजिदा नगर करबला रोड का रहने वाला था। वह इमामी गेट पर स्थित पार्ट्स शॉप में बतौर मैकेनिक काम करता था। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात छोटे भाई को गांधी नगर स्थित ढाबा पर जाने का बोलकर निकला था। एयरपोर्ट रोड पर स्थित ब्रिज पर किसी अज्ञात वाहन ने ओवरटेक करते समय उसे जोरदार टक्कर मार दी। बाइक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई। इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। इलाज के लिए उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई।

परिवार में इकलौता कमाने वाला मेरा भाई चला गया... मृतक के छोटे भाई अदनान ने बताया कि सलमान सहित हम दो भाई और दो बहन थे। उनकी मौत के बाद हम तीन भाई बहन बचे हैं। बड़े भाई ही परिवार में कमाने वाले इकलौते थे। पिता की बीमारी के चलते डेढ़ साल पहले मौत हो चुकी है।

विधानसभा का मानसून सत्र एक जुलाई से

2024-25 का पूर्ण बजट पेश होगा; 14 दिन चलेगा सत्र, कई विधेयकों पर लगेगी मुहर

भोपाल (नप्र)। विधानसभा का मानसून सत्र एक जुलाई से शुरू होगा। इस सत्र में सरकार 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करेगी। विधानसभा सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर दी है। 19 जुलाई तक चलने वाले सत्र के दौरान 14 बैठकें होंगी। सत्र में बजट, अनुदान मांगों पर चर्चा के अलावा सरकार आधा दर्जन विधेयक भी विधानसभा में मंजूरी के लिए लाएगी।

विधानसभा सत्र शुरू होने की अधिसूचना जारी करने के साथ स्थगन प्रस्ताव, ध्यानाकर्षण सूचना, नियम 267 क के अधीन दी जाने वाली सूचना और मंत्रि परिषद के अविश्वास की सूचना देने के लिए विधानसभा सचिवालय ने 25 जून के बाद का समय तय किया है। इसके साथ ही विधायकों के लिए विधानसभा में पालन किए जाने वाले नियम और शब्दों को भी सचिवालय ने स्पष्ट कर दिया है। इसके लिए नियम 251 के अंतर्गत निर्देश जारी किए गए हैं। इस नियम में यह प्रावधान हैं।

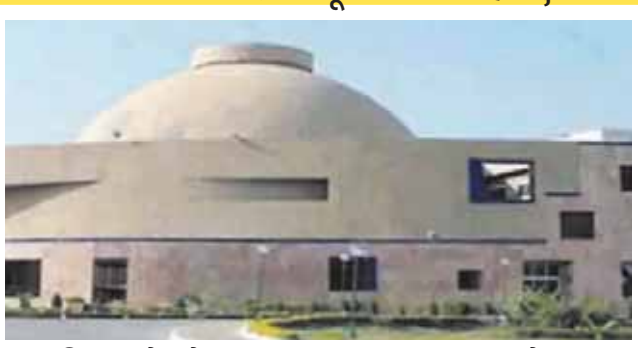

विधायकों को यह आचरण पालन करना होगा

- सदन में बोलते समय कोई भी विधायक किसी ऐसे तथ्य, विषय का निर्देश नहीं करेगा जिस पर न्यायिक मामला पेंडिंग हो।
- किसी सदस्य के विरुद्ध व्यक्तिगत दोषारोपण नहीं करेगा।
- संसद या किसी राज्य विधान मंडल की कार्यवाही के संचालन के विषय में आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग नहीं किया जाएगा।
- सभा के किसी निर्णय पर उसे रद्द करने के प्रस्ताव को छोड़कर अन्य प्रकार के आक्षेप नहीं करेगा।
- उच्च प्राधिकार वाले व्यक्तियों के आचरण पर कोई विधायक आक्षेप नहीं करेगा जब तक कि चर्चा उचित रूप में रखे गए मूल प्रस्ताव पर आधारित न हो।

इन तारीखों को होगी बैठकें

विधानसभा सचिवालय ने कहा है कि एक जुलाई से शुरू होने वाले सत्र में बैठकों की तारीख तय हो गई है। राज्यपाल के अभिभाषण के साथ एक जुलाई से शुरू होने वाले सोलहवीं विधानसभा के तीसरे सत्र में बैठकों की जो तारीखें तय हुई हैं, उसके अनुसार 2 जुलाई, तीन जुलाई, 4 जुलाई, पांच जुलाई, आठ जुलाई, नौ जुलाई, दस जुलाई, 11 जुलाई, 12 जुलाई, 15 जुलाई, 16 जुलाई, 18 जुलाई और 19 जुलाई तक बैठकें होंगी।

ऐसे चलेगा विधायकों का ऑनलाइन और ऑफ लाइन सवाल स्वीकार करने का काम

1- पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, श्रम, किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग, खेल व युवक कल्याण, सहकारिता, उच्च शिक्षा, आयुष, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास व रोजगार विभाग के लिए आनलाइन सवाल करने की आखिरी तारीख 17 जून तक तय है वहीं आफ लाइन सवाल की सूचना विधायक 18 जून तक दे सकते हैं।